



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ प्रदेश बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप: ध्रुव-तनिषा ...

@ विचार आखिर क्या है दिमागी नक्सलवाद...

@ व्यापार सेंसेक्स 325 अंक लुढ़का ...

साक्षिप्त खबर

देश में अराजकता पैदा करने की सोच रखने वाले नेताओं का समर्थन नहीं होना चाहिए : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, मुझे लगता है कि उनके बर्ताव में सुधार हो सकता है, अगर राहुल गांधी इस पूरे मामले पर गंभीरता से विचार करें। रिजिजू ने कहा कि देश में ऐसे नेताओं का समर्थन नहीं होना चाहिए, जो अराजकता पैदा करने की सोच रखते हैं। आईएनएस से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि कोई भी नेता हो, चाहे वो कांग्रेस के नेता हों या कोई भी हों, अगर संविधान के खिलाफ हैं और देश में अराजकता पैदा करता है, तो उसका समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से हमारी मुलाकात हुई और फोन पर बात भी हुई। वैसे तो मैं उनको बहुत सम्मान देता हूँ, इज्जत देता हूँ क्योंकि वो नेता प्रतिपक्ष हैं, बड़े नेता हैं।

शेख हसीना खुद लौटना चाहती हैं : पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी

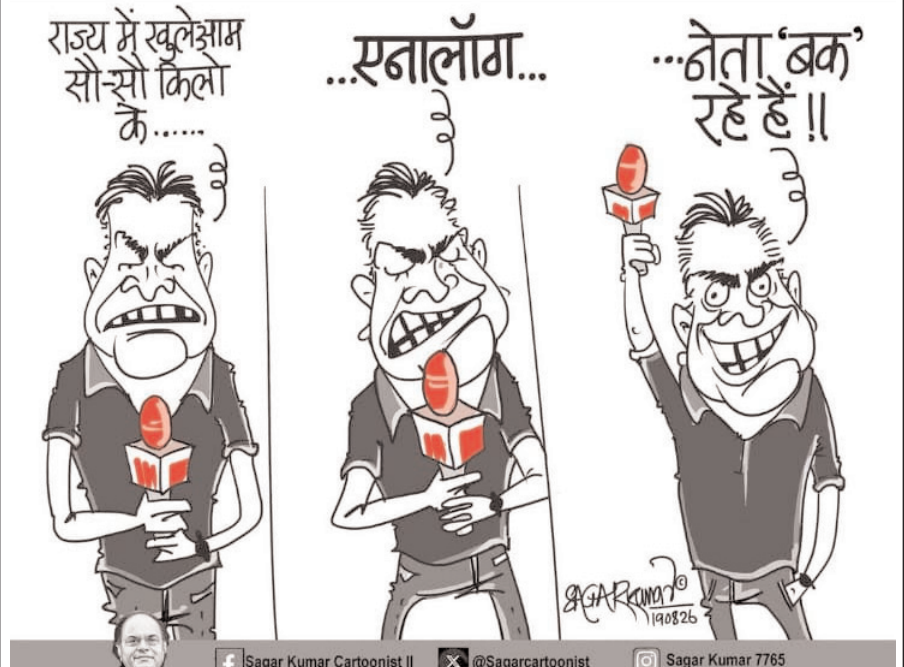
नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर अनिश्चितता के बीच ढाका की तरफ से जारी एक प्रेस नोट ने विवाद खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि शेख हसीना खुद दिसंबर में अपने देश लौटना चाहती हैं, लेकिन तारिक रहमान सरकार चाहती है कि भारत उनका प्रत्यर्पण करे। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं।

टेस्ट में 'नंबर-1' बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक

दुबई। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक एक बार फिर आईसीसी में टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्रूक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। ब्रूक ने चौथी बार यह शीर्ष स्थान अपने नाम किया है। वह पहली बार दिसंबर 2024 में बतौर बल्लेबाज टेस्ट के बादशाह बने थे। ट्रेविस हेड तीन स्थान नीचे फिसलकर चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनकी रैंकिंग में गिरावट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में सिर्फ 22 और 17 रन की पारियां खेलने के बाद आई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस मुकामले में उलटफेर का शिकार होकर 9 विकेट से मैच गंवाना पड़ा था। जो रूट (दूसरे) और स्टीव स्मिथ (तीसरे) भी हेड से आगे निकल गए हैं।

तीर तेवर

— सागर कुमार



कैबिनेट की चार मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

410 किमी रेल नेटवर्क बढ़ेगा, 6,448 गांवों को मिलेगा लाभ

एजेंसी ■ नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि इससे आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि कैबिनेट ने चार मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और लाखों लोगों को फायदा होगा। इन प्रोजेक्ट्स के कई फायदे होंगे, जैसे- यात्री और माल ढुलाई को मजबूत करना, भीड़-भाड़ कम करना, लांजिस्टिक्स की बेहतर क्षमता और बेहतर कनेक्टिविटी, व्यापार और पर्यटन। इन परियोजनाओं में खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन - 173 किमी (पश्चिम बंगाल और ओडिशा), भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन - 75 किमी (ओडिशा), गुम्टिपडूंडी-गुडूर तीसरी और



चौथी लाइन - 90 किमी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु), और कटक-पारादीप (बड़ाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइन - 72 किमी (ओडिशा) शामिल हैं। बड़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन के सुव्यवस्थित होने और भीड़भाड़ में कमी आने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है,

जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लांजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्यों के 8 जिलों को रबर करने वाली ये 4 परियोजनाएं भारतीय रेल के वर्तमान नेटवर्क को लगभग 410 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-

ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 6,448 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 60 लाख है। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिसमें कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, मां भद्रकाली मंदिर, मां धमराई मंदिर, पंचलिंगेश्वर मंदिर, तलसारी-उदयपुर और चांदीपुर समुद्र तट, पुलिकट झील, नेलपट्ट पक्षी अभयारण्य, भगवान वीरराघव पेरुमल मंदिर, गदा कुजंगा जगन्नाथ मंदिर, सरला मंदिर, धनलेश्वर मंदिर, ललितगिरि (बौद्ध स्थल) आदि शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, अनाज आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कायों से प्रति वर्ष 76 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। भारतीय रेल के पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लांजिस्टिक्स लागत को कम करने में सहायक होगी।

अमेरिका कश्मीर की ट्रैवल एडवाइजरी पर करेगा पुनर्विचार

एजेंसी ■ श्रीनगर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के अपने पहले दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका केंद्र शासित प्रदेश के लिए जारी यात्रा संबंधी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुधवार को श्रीनगर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'यहां आकर खुशी हुई। अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी अपनी यात्रा संबंधी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। यह भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने क्षेत्र की खूबसूरती की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद खूबसूरत जगह है। मैं यहां आकर और इस जगह को देखकर बहुत उत्साहित हूँ। हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। कुछ मुद्दों पर आगे भी काम किया जाना है, जिन्हें हम वाशिंगटन और दिल्ली



तक ले जाने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में उनका गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण स्वागत हुआ है तथा अमेरिका भविष्य में इस संबंध की और मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहता है। गोर बुधवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। यह अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर का दौरा करने वाले किसी अमेरिकी राजदूत की पहली यात्रा है। इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि वह अमेरिकी राजदूत के साथ क्षेत्र की अमेरिकी प्रतिनिधि के समक्ष उठाने का सवाल नहीं है, क्योंकि इन मुद्दों का समाधान केंद्र सरकार के स्तर पर ही किया जा सकता है।

22 परीक्षाएं रद्द होने पर छात्रों का आंदोलन खत्म

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ 26 दिनों से चल रहा छात्रों का आंदोलन बुधवार को समाप्त हो गया। आंदोलन समाप्त करने की औपचारिक घोषणा शाम चार बजे की जाएगी। इसके बाद शाम छह बजे छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से आभार यात्रा निकालेंगे। झारखंड सरकार की ओर से जेपीएससी सिविल सर्विस और जेएसएससी-सीजीएल सहित कुल 22 परीक्षाओं को रद्द करने और कुल 45 परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच की अधिसूचना जारी होने के बाद छात्रों ने यह फैसला लिया है। छात्रों का कहना है कि सरकार ने सामने आई, तो वे दोबारा आंदोलन शुरू करेंगे। छात्रों ने कहा कि आंदोलन खत्म करने का फैसला स्थायी रूप से पीछे हटने का नहीं, बल्कि सरकार को जांच के लिए समय देने के नजर जांच की प्रक्रिया पर रहेगी। उन्होंने



सरकार को जांच के लिए 60 दिनों का समय देने का फैसला किया है। छात्रों ने स्पष्ट किया कि यदि इस अवधि में जांच निष्पक्ष और सही तरीके से नहीं हुई या किसी तरह की लापरवाही सामने आई, तो वे दोबारा आंदोलन शुरू करेंगे। छात्रों ने कहा कि आंदोलन खत्म करने का फैसला स्थायी रूप से पीछे हटने का नहीं, बल्कि सरकार को जांच के लिए समय देने के उद्देश्य से लिया गया है।

भारत-बांग्लादेश: पाकिस्तान को मौका न दे भारत



सुजीत कुमार प्रधान संपादक - विश्व केसरी

नई दिल्ली ■

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय एक ऐसे मोड़ पर हैं, जहां एक गलत कूटनीतिक कदम वर्षों की रणनीतिक उपलब्धियों को कमजोर कर सकता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने और भारत आने के बाद शुरू हुआ अविश्वास अब नई सरकार के दौर में भी खत्म नहीं हुआ है। इसके उलट, शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा आज दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की सबसे बड़ी बाधा बन गया है। फरवरी 2026 में सत्ता में आए BNP नेता तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार भारत के साथ संबंध सुधारने की जरूरत को

समझती है, लेकिन ढाका ने अब प्रधानमंत्री की संभावित भारत यात्रा को हसीना के प्रत्यर्पण और बेहतर कूटनीतिक माहौल से जोड़ दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने 16 अगस्त को कहा कि यात्रा के लिए 'अनुकूल माहौल' जरूरी है और उसने भारत से हसीना तथा अन्य आरोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज करने को कहा है। यह स्थिति तब और संवेदनशील हो गई जब हसीना ने भारत से ऑनलाइन संबोधन में दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने का संकल्प जताया। ढाका ने इसे अपनी संप्रभुता के लिए चुनौती के रूप में देखा। हसीना को 2025 में बांग्लादेश की अदालत ने 2024 के आंदोलन के दौरान हिंसक कार्रवाई के मामले में उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी, जिसे हसीना राजनीतिक रूप से प्रेरित बताती हैं। भारत ने प्रत्यर्पण अनुरोध मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह अपने कानूनी ढांचे के तहत इस मामले की समीक्षा कर रहा है। समस्या हसीना से कहीं बड़ी है भारत-बांग्लादेश तनाव को

केवल हसीना प्रकरण मानना रणनीतिक भूल होगी। सीमा प्रबंधन, सीमा पर होने वाली मौतें, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, व्यापार असंतुलन, तीस्ता जल विवाद और दोनों देशों में एक-दूसरे के प्रति बढ़ती राजनीतिक धारणा भी रिश्तों को प्रभावित कर रही है। हालांकि एक सकारात्मक संकेत भी सामने आया है। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री ने हाल में कहा कि ढाका तीस्ता विवाद को भारत के साथ व्यापक संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाला मुद्दा नहीं बनाना चाहता। यह बताता है कि दोनों पक्षों के पास संवाद के लिए अभी पर्याप्त गुंजाइश मौजूद है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह बांग्लादेश की वर्तमान सरकार को उसके पूर्ववर्ती राजनीतिक नेतृत्व से अलग करके देखे। नई दिल्ली को यह धारणा समाप्त करनी होगी कि भारत किसी खास दल या नेता का समर्थक है। BNP सरकार के साथ उच्चतम राजनीतिक स्तर पर सीधा संवाद इस दिशा में पहला कदम होना चाहिए।

पाकिस्तान क्यों बचैन है? भारत-बांग्लादेश के बीच पैदा हुई दूरी पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक अवसर है। 1971 के बाद लंबे समय तक बेहद सीमित रहे ढाका-इस्लामाबाद संबंधों में पिछले दो वर्षों में सुधार आया है। दूसरी ओर चीन ने भी बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक संपर्क काफी बढ़ाया है। जून 2026 में तारिक रहमान की चीन यात्रा के बाद दोनों देशों ने अपने संबंधों को एक नए दौर में ले जाने की बात कही है। भारत को इस बदलते समीकरण को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान यदि बांग्लादेश में रणनीतिक प्रभाव बढ़ाता है और चीन आर्थिक बुनियादी ढांचे के जरिए अपनी मौजूदगी मजबूत करता है, तो भारत की पूर्वी सीमा पर एक नई भू-राजनीतिक चुनौती खड़ी हो सकती है। भारत को क्या करना चाहिए? भारत को तीन स्तरों पर तत्काल पहल करनी चाहिए। पहला—राजनीतिक संवाद। प्रधानमंत्री मोदी और तारिक रहमान के बीच सीधी बातचीत होनी चाहिए। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश

त्रिवेदी ने भी स्पष्ट कहा है कि मौजूदा मतभेदों का समाधान बातचीत से ही संभव है और उन्होंने तारिक रहमान की भारत यात्रा की उम्मीद जताई है। दूसरा—हसीना मामले को द्विपक्षीय रिश्तों का बंधक न बनने दिया जाए। भारत को कानून के अनुसार निर्णय लेना चाहिए, लेकिन ढाका के साथ यह स्पष्ट संवाद भी रखना चाहिए कि प्रत्यर्पण एक कानूनी प्रक्रिया है, राजनीतिक सौदेबाजी का विषय नहीं। तीसरा—आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को फिर सक्रिय करना। बिजली, ऊर्जा, रेल, सड़क, जलमार्ग, सीमा व्यापार और पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाना दोनों देशों के हित में है। भारत को बांग्लादेश को केवल सुरक्षा के नजरिए से नहीं, बल्कि एक बड़े आर्थिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना होगा। दक्षिण एशिया में भारत सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए उसे यह साबित करना होगा कि बड़ी शक्ति होने का अर्थ केवल अपने हितों की रक्षा करना नहीं, बल्कि पड़ोसी को भरोसा देना भी है।



नदी बचेगी तो जीवन बचेगा : सीएम साय

स्रोत महोत्सव 2026 में नदी संरक्षण के पांच स्तंभों पर जोर

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 'नदी बचेगी तो जल बचेगा और जल बचेगा तो जीवन बचेगा।' उन्होंने कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि प्रदेश की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवनधारा हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को रायपुर के ओमाया गार्डन में आयोजित 'स्रोत महोत्सव 2026' एवं राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नदियों के उद्गम स्थलों और कैचमेंट एरिया के संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आधुनिक तकनीक, पारंपरिक ज्ञान और जनभागीदारी को मिलाकर व्यापक एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में नदी संरक्षण अभियान मानचित्रण, संरक्षण, पुनर्भरण, जनभागीदारी और कार्ययोजना के पांच प्रमुख स्तंभों पर आगे बढ़ेगा। प्रत्येक नदी और उसके जलग्रहण क्षेत्र का वैज्ञानिक मानचित्रण कर उद्गम, प्रवाह क्षेत्र, भू-उपयोग में बदलाव तथा नदी के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारणों का अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षाजल को बहकर निकलने देने के बजाय अधिक से अधिक मात्रा में जमीन के भीतर पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। इससे भू-जल स्तर में सुधार, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और नदियों में लंबे समय तक जल

प्रवाह बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। नदी किनारे बसे गांवों और स्थानीय समुदायों को संरक्षण अभियान का प्रमुख भागीदार बनाना होगा। पंचायतों के सहयोग से स्थानीय समितियां गठित कर नदी संरक्षण एवं पुनरुद्धार के कार्य आगे बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने विशेषज्ञों से वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी को सरल भाषा में आम लोगों तक पहुंचाने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम में जल संरक्षण के क्षेत्र में संस्थागत एवं तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए दो महत्वपूर्ण एमओयू किए गए। नेशनल वाटर एकेडमी, पुणे के साथ हुए समझौते से अधिकारियों एवं मैदानी अमले के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं एंट्रिक्स कॉरपोरेशन, बेंगलुरु के साथ एमओयू के तहत इसरो की

विशेषज्ञता और आधुनिक भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग जल संसाधनों के वैज्ञानिक विश्लेषण एवं निगरानी में किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में कुनकुन तहसील के लगभग 1540 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में जल संसाधनों का अध्ययन और निगरानी आधुनिक तकनीक से की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में जल संरक्षण पर आधारित 'निर-नारी-निधि' पुस्तक का विमोचन भी किया। पुस्तक में भाषा में आम लोगों तक पहुंचाने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम में जल संरक्षण के क्षेत्र में संस्थागत एवं तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए दो महत्वपूर्ण एमओयू किए गए। नेशनल वाटर एकेडमी, पुणे के साथ हुए समझौते से अधिकारियों एवं मैदानी अमले के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं एंट्रिक्स कॉरपोरेशन, बेंगलुरु के साथ एमओयू के तहत इसरो की समाधान तैयार किए जाएंगे।

सीएनजी पंप पर ट्रक में ब्लास्ट, 3 मौत

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रक के सीएनजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक अन्य घायल व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतकों में सभी लोग फ्यूल स्टेशन के कर्मचारी बताए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बाहरी दिल्ली के टिकरी कलां मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक फ्यूल स्टेशन पर बुधवार को ट्रक में सीएनजी भरने के दौरान उसका सिलेंडर फट गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस हादसे में छह लोग घायल हुए। मृतकों में एक की पहचान 25 वर्षीय मनीष के रूप में हुई है, जो पश्चिमी दिल्ली के बाबा हरिदास कॉलोनी का रहने वाला था। दूसरे मृतक की पहचान 32 वर्षीय सनी निजामपुर के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। हालांकि, पुलिस ने पुष्टि की है कि तीनों मृतक सीएनजी पंप के कर्मचारी थे।



अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक के सीएनजी सिलेंडर में गैस भरा जा रहा था। आशंका जताई गई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के अनुसार,

घायल छह लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय वे आसपास खड़े थे और इसकी चपेट में आने से घायल हो गए। डीएफएस ने बताया कि

उसे दोपहर 3 बजकर 37 मिनट पर विस्फोट की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की छह गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

विस्फोट की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की बड़ी टीमों मौके पर पहुंच गई। इसके बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फायर सर्विस के एक अधिकारी ने कहा, 'विस्फोट किन कारणों से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए। जांच जारी रहने तक लोगों से क्षेत्र से दूर रहने की अपील की गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

आजम खान पर ईडी की कार्रवाई कानून के तहत, एनडीए गठबंधन मजबूत: विजय लक्ष्मी गौतम

विश्व केसरी ■
लखनऊ। यूपी सरकार में मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने आजम खान के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर की गई टिप्पणी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे, मंदिरों को लेकर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी और बसपा प्रमुख मायावती द्वारा सतीश चंद्र मिश्रा को जिम्मेदारियां सौंपे जाने समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का एनडीए गठबंधन मजबूत है और पार्टी अपने राजनीतिक फैसले गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर करेगी। भाजपा के सहयोगी दलों को लेकर अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि उन्हें भाजपा और उसके गठबंधन के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। एनडीए का



गठबंधन मजबूत है और सभी सहयोगी दल मिल-बैठकर सीटों के बंटवारे समेत अन्य मुद्दों पर फैसला करेंगे। सपा-कांग्रेस गठबंधन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपने गठबंधन की चिंता करनी चाहिए। कांग्रेस की ओर से सीटों में बड़ी हिस्सेदारी की मांग की जा रही है और ऐसे में समाजवादी पार्टी के सामने गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चुनौती होगी। भाजपा अपने गठबंधन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और सहयोगी दलों के बीच बातचीत के जरिए सभी विषयों का समाधान कर लिया जाएगा। पीडीए के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि भाजपा लंबे समय से पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के साथ काम कर रही है।

मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग देने की पहल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने की समीक्षा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को नि:शुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की पहल के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में देशभर के विद्यार्थियों के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ऑनलाइन मंच तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन



और व्यवस्थित तरीके से परीक्षा की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने का योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध

कराने की बात कही थी। दरअसल, महंगी कोचिंग कक्षाओं का खर्च गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी पड़ता है। ऐसे में सरकार डिजिटल सार्वजनिक ढांचे और देश के प्रतिभाशाली शिक्षकों को एक मंच पर लाकर युवाओं को मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेगी।

सरकार की इस पहल का प्रमुख उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आर्थिक असमत्ता को कम करना और देश के हर हिस्से के विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। फिलहाल, अनेक विद्यार्थी महंगी निजी कोचिंग के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कठिनाई महसूस करते हैं। नई व्यवस्था के जरिए ऐसे विद्यार्थियों को पर बैठे गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। शिक्षा मंत्री की बैठक में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया गया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय मंच केवल अध्ययन सामग्री

उपलब्ध कराने तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों को व्यवस्थित अध्ययन योजना, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और परीक्षा-केंद्रित तैयारी की सुविधा भी दे। प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा था कि देश के पास डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और उत्कृष्ट प्रतिभाशाली शिक्षक मौजूद हैं। इन संसाधनों को एक साथ जोड़कर युवाओं के लिए मुफ्त कोचिंग का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। सरकार की यह पहल डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने जनगणना में शिक्षकों की ड्यूटी पर फैसला सुरक्षित रखा

विश्व केसरी ■
कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को हाल ही में शुरू हुए जनगणना के काम में लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल-जज बेंच में पूरी हुई। हालांकि, जस्टिस कृष्णा राव की सिंगल-जज बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई बुधवार को जस्टिस राव की एक टिप्पणी के साथ पूरी हुई, जिसमें उन्होंने शिक्षकों को एक ही समय में पढ़ाने और जनगणना का काम—दोनों काम सौंपने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया।



उनके अनुसार, शिक्षकों का मुख्य काम पढ़ाना है और उनसे या तो जनगणना का काम लिया जाना चाहिए या फिर पढ़ाने का काम। इसी बीच, बुधवार को पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के गृह विभाग से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को जनगणना के काम में लगाने के

बावजूद छात्रों के हितों की रक्षा की जाए। हालांकि, इस बात को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अलग-अलग शिक्षक संगठनों ने दावा किया है कि अगर जिन स्कूलों में पहले से ही शिक्षकों की कमी है, वहां के शिक्षकों को जनगणना के काम में लगाया जाता है, तो उन स्कूलों में पढ़ाई-लिखाई का काम जरूर प्रभावित होगा। बुधवार को राज्य सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट को बताया कि वह 3 अगस्त के उस नोटिफिकेशन को वापस ले रही है, जिसमें सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से स्कूल के समय के बाद जनगणना का काम करने के लिए कहा गया था।

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी ■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली की भोजीपुरा पुलिस ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसी को लेकर जानकारी देते हुए एसपी नॉर्थ बरेली मुकेश मिश्रा ने समाचार एजेंसी आईएनएस को बताया कि बुधवार को भोजीपुरा थाने की पुलिस टीम द्वारा फर्जी तरीके से कूटचित आयुष्मान कार्ड बनाने, पैसे एंठने और आयुष्मान योजना के धन को अवैध रूप से प्राप्त कर राज्य सरकार को चूना लगाने वाले गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 13 कूटचित आयुष्मान कार्ड, 6 कूटचित आधार कार्ड, 22 कूटचित छायाप्रति राशन कार्ड और 2,700 रुपए कैश बरामद किए गए



हैं। गिरफ्तार किए गए पांचों अभियुक्तों की पहचान आबिद, सलमान तथा अफरोज (निवासीगण थाना क्षेत्र भोजीपुरा), अरमान (निवासी थाना क्षेत्र इज्जतनगर) तथा देशरतन (निवासी थाना क्षेत्र देवरनिका) के रूप में हुई है। उन्होंने आगे बताया कि इन पांचों आरोपियों को पर्याप्त सबूतों के साथ बुधवार को न्यायालय के समक्ष भेजा गया है। वहीं, पुलिस की ओर से मामले से संबंधित आगे की जांच और कार्रवाई जारी है। बता दें कि पुलिस की ओर से धोखाधड़ी के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई का एक दूसरा मामला शनिवार को नई दिल्ली से सामने आया, जहां साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने धोखाधड़ी और चोरी के एक मामले को सुलझाया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व विभागों में नई तैनाती

प्रशासन को कुशल और जवाबदेह बनाना सरकार की प्राथमिकता : सीएम रेखा गुप्ता

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और जन सेवाओं की डिलीवरी में तेजी लाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा विभाग ने डीएसएस कैडर के 111 अधिकारियों के प्रमोशन और नई पोस्टिंग के आदेश जारी दिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'प्रशासनिक व्यवस्था को कुशल और जवाबदेह बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को सौंपी गई नई जिम्मेदारियों से स्वास्थ्य, शिक्षा और राजस्व जैसे प्रमुख विभागों में लोगों को मिलने वाली सेवाओं में तेजी आएगी।' जारी आदेश के अनुसार बड़ी संख्या में अधिकारियों को शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर डीएसएस के पद पर तैनात किया गया है। इससे दिल्ली की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सुचारू संचालन में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी अहम बदलाव किए गए हैं। लोक



नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में अधिकारियों को डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के पद पर प्रमोट किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में भी डिप्टी डायरेक्टर स्तर पर नई नियुक्तियों की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रमोट किए गए अधिकारियों को राजस्व विभाग और व्यापार

कर विभाग डीटीएंडटी के विभिन्न उप-मंडलों में एसडीएम मुख्यालय और असिस्टेंट कमिश्नर के रूप में भी नियुक्त किया गया है। इससे राजस्व संग्रह और जीएसटी से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। इसके अलावा, उपराज्यपाल सचिवालय, कानून एवं न्याय विभाग और सतर्कता निदेशालय में भी अधिकारियों को डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर तैनात किया गया है। सरकार का मानना है कि इन तैनातियों से फाइलों के निपटारे में तेजी आएगी और प्रशासन और अधिक जवाबदेह बनेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ये प्रमोशन दिल्ली सरकार की कर्मचारियों के करियर को आगे बढ़ाने और उनकी सेवा भावना को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। डीएसएस कैडर के ग्रेड-डू अधिकारी लंबे समय से करियर में तहराव का सामना कर रहे थे। ये प्रमोशन दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों और कैडर पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत संभव हुए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com
पत्र क्र. / 34469/ न.पा.नि./
जोन क्र. 3/2026
रायपुर दिनांक 18/08/2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34469
वार्ड का नाम-29- गुरु गोविंद सिंह है कि वार्ड एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 334C00213 जो की निगम अखिलेश श्री/श्रीमती KHORBAHARIN पिता/पति श्री/श्रीमती LATE RAMCHARAN SONWANI के नाम से वर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मोहम्मद आफताब पिता/पति श्री/श्रीमती श्री मोहम्मद मोहिन ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शायब पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ malima bikri nama, shapathpatra, aadhar card / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रमाणन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्राफिक सलित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि परचावा प्राप्त नया / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। विरुक्त लिए यह कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा।
श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com
पत्र क्र. / 34471/ न.पा.नि./
जोन क्र. 3/2026
रायपुर दिनांक 18/08/2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34471
वार्ड का नाम-12- कालीमाता वार्ड एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 229A00095 जो की निगम अखिलेश श्री/श्रीमती MR. SOUMITR KUMAR RAO पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. Y.V.K. RAO के नाम से वर्ज है जिसको श्री/श्रीमती संजय कुमार बाहेली पिता/पति श्री/श्रीमती श्री सत्यनारायण बाहेली ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शायब पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रमाणन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्राफिक सलित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि परचावा प्राप्त नया / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। विरुक्त लिए यह कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा।
श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

186 सरकारी कर्मचारियों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जांच के घरे में, होगी पड़ताल

बैठक में प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए हुए विचार-विमर्श

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर शासकीय सेवा में कार्यरत लोगों पर अब जांच तेज होगी। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की संयुक्त बैठक में ऐसे 186 व्यक्तियों से जुड़े प्रकरणों की मेडिकल जांच कराने पर चर्चा हुई।

मामलों की जांच राज्य मेडिकल बोर्ड या संभागीय मेडिकल बोर्ड के माध्यम से कराई जाएगी। साथ ही दिव्यांगता प्रमाण-पत्र और यूडीआईडी कार्ड की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए भी कई फैसलों पर विचार किया गया।



मेडिकल बोर्ड में जांच की प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे।
दूरदराज क्षेत्रों में लगेंगे विशेष मेडिकल बोर्ड

महानदी भवन में हुई बैठक में पात्र दिव्यांगजनों को समय पर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र और यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने पर भी जोर दिया गया। दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष मेडिकल बोर्ड और दिव्यांगता परीक्षण शिविर आयोजित करने पर चर्चा हुई। मेडिकल बोर्ड में विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात भी कही गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी होने पर निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं लेने पर भी सहमति बनी। दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी

भी विचार किया गया। बैठक में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के अनुसार नशामुक्ति केंद्रों के पंजीयन और मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण से जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नशामुक्ति केंद्रों में उपचार करा रहे लोगों को दी जाने वाली दवाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने और केंद्रों के विस्तार पर भी विचार किया गया।

संस्थाओं में रह रहे हितग्राहियों के स्वास्थ्य परीक्षण पर जोर

बैठक में दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, भिक्षुक, उभयलिंगी और नशा पीड़ित लोगों के पुनर्वास एवं संस्थागत संरक्षण के लिए संचालित सरकारी और अनुदान प्राप्त संस्थाओं में रहने वाले हितग्राहियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, समाज कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त सह संचालक संजीव झा, समाज कल्याण विभाग के संचालक रणवीर शर्मा समेत दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स रायपुर और एनआईटी रायपुर के एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ एमओयू



विश्व केसरी■
रायपुर। साझेदारी एआई-सक्षम निदान, भविष्यसूचक विश्लेषण (प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स), नैदानिक निर्णय सहायता (क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट) और अस्पताल संचालन पर केंद्रित होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सीधे मरीज के बेडसाइड तक पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, एनआईटी रायपुर के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर, एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप ने आज ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) रायपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय , भारत सरकार के प्रमुख इंडियाएआई मिशन के तहत छत्तीसगढ़ सरकार के सक्रिय सहयोग से एनआईटी रायपुर में स्थापित 'MeiTy' इंडियाएआई छत्तीसगढ़ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के अंतर्गत स्थापित की गई है। 220.00 करोड़ के प्रोजेक्ट परिव्यय वाले इस एआई-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का संचालन तीन रणनीतिक क्षेत्रों—स्वास्थ्य सेवा और बहुविषयक (हेल्थकेयर एंड मल्टीडिसिप्लिनरी), खनन और खनिज (माइनिंग एंड मिनरल्स), तथा इस्पात और उद्योग (स्टील एंड इंडस्ट्रीज)—में होता है। ऐसे में क्षेत्र के प्रमुख चिकित्सा संस्थान के साथ यह सहयोग स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी के लिए एक मील का पत्थर है। यह पांच वर्षीय सहयोग एक मजबूत परिचालन ढांचा तैयार करता है जिसके तहत एम्स रायपुर वास्तविक दुनिया की नैदानिक समस्याओं (क्लिनिकल प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स) और गहन डोमेन विशेषज्ञता को साझा करेगा, जबकि एआई-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व्यावहारिक समाधान बनाने के लिए अपने शोधकर्ताओं, इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप्स, छात्रों, प्रयोगशालाओं और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को एक साथ लाएगा। इस गठबंधन के तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में एआई-सक्षम निदान, नैदानिक निर्णय सहायता प्रणाली, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स, स्वास्थ्य सेवा वितरण और अनुकूलित अस्पताल संचालन शामिल हैं। विशुद्ध रूप से प्रौद्योगिकी-संचालित के बजाय समस्या-संचालित दर्शन के तहत अपनाई गई यह पहल संयुक्त अनुसंधान, त्वरित प्रोटोटाइपिंग, नियंत्रित नैदानिक पायलट (क्लिनिकल पायलट), क्षेत्र सत्यापन (फील्ड वैलिडेशन), विशेषज्ञ नैदानिक सलाह, इंटरैक्शिव, हैकार्थन, कोशल विकास कार्यक्रम और सामुदायिक पहुंच (कम्युनिटी आउटरीच) के दरवाजे खोलती है। इस रणनीतिक साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए, एनआईटी रायपुर के निदेशक और NITRRFIE के बोर्ड निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव ने कहा कि इस साझेदारी की वास्तविक ताकत वास्तविक स्वास्थ्य चुनौतियों को जिम्मेदार, प्रभावी और स्केलेबल प्रौद्योगिकी समाधानों में परिवर्तित करने में निहित है।

मंदिर हसौद में पुलिस की सजगता से कई घायलों की बची जान



विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस पर रात्रि लगभग 11.00 बजें पांच व्योतिर्लिगों का दर्शन करके पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं से भरा बस वापस कोलकाता जा रहा था। बारिश के वजह से गाड़ी अनियंत्रित होकर मंदिर हसौद टोल प्लाजा के पास डिवाइडर से टकरा गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही माना थाना CSP लम्बोदर पटेल एवं मंदिर हसौद थाना TI आशीष यादव एवं उनकी सक्रिय टीम दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर घायलों को तत्काल

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद नवजात का सौदा! 1.50 लाख में बेचने का मामला रायपुर के बहुचर्चित नाबालिग दुष्कर्म और नवजात सौदेबाजी मामले में पुलिस जांच जारी

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में नाबालिग से दुष्कर्म, जबरन गर्भपात और नवजात को कथित तौर पर बेचने का गंभीर मामला सामने आया है। न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय पीड़िता ने अपने ही पिता पर करीब तीन साल तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद पुलिस ने पिता, बुआ समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नवजात के जन्म के बाद उसे किसे और किन परिस्थितियों में सौंपा गया। पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक, वर्ष 2023 में अमलीडीह इलाके में एक रिश्तेदार के घर आरोपी पिता ने नाबालिग को कथित



तौर पर जबरन शराब पिलाई। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बारे में किसी को बताने पर पिता ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद भी आरोपी उसका लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। जब उसने इसकी जानकारी अपनी बुआ को दी तो आरोप है कि बुआ ने भी पिता का साथ दिया और उसे जबरन गर्भपात

बालिग दिखाने के लिए फर्जी आधार कार्ड तैयार कराया गया। इसके बाद उसे शाहीशुदा बताकर डोंगनिया स्थित वासुदेव अस्पताल में भर्ती कराया गया।
फर्जी पहचान के सहारे अस्पताल में भर्ती कराने का आरोप
मामले की जांच में पुलिस को अस्पताल में भर्ती कराने और दस्तावेज तैयार कराने से जुड़े लोगों की भूमिका भी सामने आने की बात कही गई है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग को उम्र छिपाकर उसे एक वरिष्ठ महिला के तौर पर पेश किया गया। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में पिता के अलावा अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस ने इसी कड़ी में अस्पताल और फर्जी दस्तावेजों से जुड़े आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।
अस्पताल में बेटे का जन्म, फिर कहा गया नवजात ?
पुलिस के मुताबिक, नाबालिग ने अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया। इसके बाद मामले ने और गंभीर मोड़ ले लिया। आरोप है कि जन्म के बाद नवजात को किसी दूसरे व्यक्ति को कथित तौर पर बेच दिया गया। शिकायत और पुलिस जांच में नवजात के कथित सौदे की रकम करीब 1.50 लाख रुपये बताए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, नवजात को किस व्यक्ति को सौंपा गया, रकम का लेन-देन कैसे हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल था, इसकी विस्तृत जांच पुलिस कर रही है।

रक्षाबंधन पर 28 अगस्त को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश

रायपुर। सरकार ने रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर शुक्रवार 28 अगस्त 2026 को राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस दिन सभी शासकीय कार्यालयों, संस्थाओं के साथ-साथ कोषालय एवं बैंकों में अवकाश रहेगा।
नेगोशिएबल इस्ट्रमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन ने 28 अगस्त 2026 को प्रदेश के सभी कोषालय एवं बैंकों के लिए भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय, रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत एक प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं की नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, संप्रदा है और युवाओं को नशे से अनुशासित एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की अंशु बहन उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने

संबोधन में नशे को व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए गंभीर समस्या बताते हुए इसके शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा आत्मसंयम एवं आत्मबल को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है और युवाओं को नशे से मुक्त रखकर ही स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने की। उन्होंने

नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने का शपथ लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अर्चना मोडक, डॉ. किरण अग्रवाल, डॉ. किरण तिवारी, प्रो. धर्माक्षी साहू, डॉ किरण तिवारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लक्ष्मीकांत साहू सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकाणा, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी बेमेतरा में निःशुल्क साइकिल वितरण

विश्व केसरी■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी, विकासखंड एवं जिला बेमेतरा में सरस्वती निःशुल्क साइकिल वितरण एवं शाला प्रादर्श प्रदर्शनी का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राहुल योगराज टिकरिहा प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष हेम सिंह वर्मा ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में छत्रकुमार देवांगन (विधायक प्रतिनिधि) ललित वर्मा, शिवकुमार वर्मा एवं घनश्याम वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के



पूजन-अर्चन के साथ राष्ट्रांगन गाकर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं को सरस्वती निःशुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत पात्र , उपस्थित 21 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। विद्यालय परिसर में आयोजित शाला प्रादर्श प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान,गणित, ई कॉमर्स , अंग्रेजी,पर्यावरण, शिक्षा एवं विभिन्न विषयों पर आधारित अनेक रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक

विभिन्न आवश्यकताओं एवं समस्याओं से अतिथियों को अवगत कराया एवं कहा कि मॉडल प्रदर्शनी केवल विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए सुंदर मॉडलों का प्रदर्शन नहीं है बल्कि यह उनकी रचनात्मकता वैज्ञानिक सोच कल्पनाशक्ति को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण मंच है हमारे विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान को प्रयोगात्मक रूप देकर यह सिद्ध किया है कि सीखना केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। दिलीप सिंह ठाकुर, व्याख्याता ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का बेहतरीन माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया साथ ही साथ साइकिल योजना छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है जिससे उनकी नियमित उपस्थिति और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी।

देवेन्द्र नगर मुक्तिधाम से कपड़ा मार्केट पंडरी रोड अब ‘अयोध्या प्रसाद जैन मार्ग’

विश्व केसरी■
रायपुर। नगर पालिक निगम के द्वारा मुक्तिधाम देवेन्द्र नगर से पंडरी कपड़ा मार्केट तक के मार्ग का नामकरण अब अमर स्वतंत्रता सेनानी अयोध्या प्रसाद जैन के नाम से कर दिया गया है। इस उपलक्ष्य में अजय जैन परिवार के द्वारा रविवार 16 अगस्त को विमतारा सभागृह में एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जिसमें स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संघ एवं जैन समाज के लोगों के द्वारा नगर पालिक निगम का आधार व्यवस्त किया गया। इस अवसर पर महापौर को 'भारत गौरव' सभापति को 'स्वातंत्र्य गौरव' एवं अमर दिवदानी, महेंद्र खोडियार तथा सविता पाठक को 'जय भारत सम्मान' से अलंकृत किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए संयोजक कैलाश राय ने बताया कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में 5000 जैन वीरों ने भाग लिया तथा पहली फांसी हांसी के लाला हुकुमचंद एवं उनके 13 वर्षीय भतीजे



फकीरचंद जैन को हुई। कर्मचारी नेता एवं निगम के पूर्व राजस्व विभाग अध्यक्ष अरुण दुबे ने आजादी की लड़ाई में जलियांवाला बाग से लेकर भगत सिंग, राजगुरु, सुखदेव तथा नेताजी सुभाष बोस जैसे देश भक्तों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने बताया कि राज्य सरकार के द्वारा शहीद स्मारक भवन के रिनोवेशन के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। अब किसी सीनियर सिटीजन को सीढ़ियां नहीं चढ़ाना पड़ेगा, स्मारक में

लिफ्ट की सुविधा मिलेगी। सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा कि नगर पालिक निगम रायपुर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संघ की हर बात को गंभीरता से सुनेते हुए उनकी मांगों पर तत्परता से कार्यावाही करेगा। मंच संचालिका ममता जैन ने पुण्यतिथि 16 अगस्त पर 'भारत रत्न' अटलबिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम में मंगलाचरण कवि राजेश जैन 'राही' के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वतंत्रता सेनानी

बी.एस.सी. (कृषि) काउंसलिंग के तहत अभ्यर्थियों को महाविद्यालय और सीट आबटित

विश्व केसरी■
रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु संचालित ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन कर दिया गया है। कल 20 अगस्त से 22 अगस्त तक कृषि महाविद्यालय रायपुर में सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और तब दस्तावेजों का परीक्षण किया जायेगा। चयनित अभ्यर्थियों को उहें आबंटित प्रोविजनल सीट सुरक्षित करने हेतु 20 से 23 अगस्त



तक ऑनलाईन फीस जमा करना होगा। काउंसलिंग समिति की अध्यक्ष डॉ. आरती गुहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रायपुर ने बताया कि यदि अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो इस हेतु 20 से 24 अगस्त, 2026 तक, 2026 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य सीट निरस्त करना होगा।

सीट आबंटित नहीं हुई है, उन्हें भी स्टांट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए 20 से 24 अगस्त, 2026 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य सीट निरस्त करना होगा।

संपादकीय

‘अंधेरों की साज़िश और धूप की जीत’



डॉ. अविन्द नेरल, एम. डी.

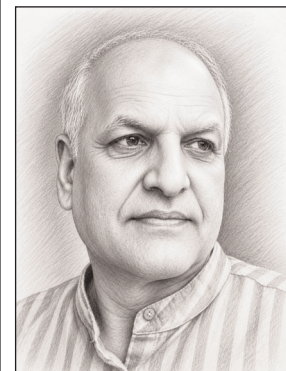
इक्कीसवीं सदी में जहाँ भौतिक जगत में हमने कल्पना से परे प्रगति की है, वहीं समाज और देश के प्रति जनसामान्य में अपने दायित्वों में जो कमी परिलक्षित हो रही है, वह यकीनन चिंता और चिंतन का सबब है। एक स्वार्थपरक, आत्मकेन्द्रित, दमघोड़ माहौल है जहां फरेब, अमानुषता और अपराधों का बोलबाला है और इंसानियत, सामाजिकता और राष्ट्रीयता जैसे गुण किसी कोने में दुबके बैठे हैं। संवेदनहीनता का ये आलम है कि ‘पड़ोसी मर गया ये खबर अखबार देते हैं, सोचिये किस तर्ज ज़िंदगी जोते हैं हम।’ संवेदनहीनता की ये लहरें सुनामी से ज़्यादा विकराल हैं।

‘हादसों के इस कदर आदी हो गये हैं लोग, एक जगह एक लाश थी और कोई हंगामा न था’। चादर तान कर सो जाने की कला में हम पारंगत हुये जा रहे हैं, गोया इन सबसे हमारा क्या सरोकार। मान लिया कि आज की भागम भाग की ज़िंदगी में हमारी मसरूफ़ियत कुछ ज़्यादा ही बढ़ गई है, लेकिन अपनी समस्याओं में से समय निकाल कर राष्ट्रीय या सामाजिक समस्याओं के प्रति चिंतित होना, उनके प्रति अपने- अपने दायित्वों को निभाना ही इंसानियत है, राष्ट्रीयता है। हम किसी भी मजहब के हों, किसी भी धर्म के अनुयायी हो, हमारा फलसफा कुछ यूँ हो:



‘शहर भर के लोगों से मोहब्बत करना, हमने से नीर- क्षीर बिबेकी होने की अपेक्षा की जाती है, उनका बहुमत अक्सर उदासीनता की चादर ताने पड़ा रहता है। यही कारण है कि हमारा समाज भ्रष्टाचारियों और बेईमानों का स्वर्ग बना हुआ है। अच्छे लोग जब उदासीन हो जाते हैं, तभी उचककों को मंच पर काबिज होने का मौका मिल जाता है। बुरे नेता सिर्फ इसलिये चुन लिये जाते हैं, क्योंकि अच्छे लोग वोट देने तक नहीं जाते हैं। जिनके हवाले देश के विकास का जिम्मा होता है, वे ही हवाला के हवाले होकर देश का दिवाला निकाल रहे होते हैं और हम कुछ नहीं करते.. तंत्र को सुधारने के लिये गण को सुधारना होगा। लोकतंत्र की राज्यसभा में ईमानदारी की द्रोपदी को दुर्गोधनों और दुःशक्तियों के हाथों निवस्त्र होते देखकर भी भीष्म पितामहों और हम सबका मौन रहना क्या अपराध नहीं है-

‘बागियों की फेहरिस्त में ही तुम मेरा नाम लिखना सर झुकाने का सलीका कम ही आता है मुझे।’ हम अपराधियों का प्रतिकारक विरोध भी नहीं करते हैं। हम पर ऐसी घोर स्वार्थपरक सामूहिक मानसिकता हावी होती जा रही है, जिससे सभ्य समाज नाम की कोई चीज रह जायेगी इसमें संदेह होता है। भ्रष्टाचार और बेईमानी दुर्गण न होकर योग्यता हो जा रहे हैं। किसी भी प्रतिष्ठान पर आयकर का छपा पड़ना उसके आर्थिक प्रतिष्ठा का प्रमाण होता जा रहा है। रिश्तत लेना अन्याय नहीं, अन्य आय माना जाने लगा है। और फिर, हमने ये सुविधा भी दे रखी है कि अगर रिश्तत लेते हुए पकड़े जायें तो रिश्तत देकर छुट भी सकते हैं। भ्रष्टाचार इस कदर है कि यदि कोई बंदा रिश्तत लेकर समय पर काम कर दे, तो वह ईमानदार की श्रेणी में रखा जाता है। हम स्वयं से प्रश्न करें कि हमें गुस्सा क्यों नहीं आता। सर्वत्र व्याप्त अनाचार, अव्यवहार, अन्याय और भ्रष्टाचार के हम मूक दर्शक होते जा रहे हैं और इस व्यवस्था के अविभाज्य अंग हो रहे हैं।वातानुकूलित सुविधाओं ने हमें गुस्सा होने की क्षमता समाप्त कर दी है। ‘इस तरह खामोश रहना खून की तौहीन है, बर्दाश्त की कुछ तो हद होनी चाहिए।’ क्या राजनेता बतायेंगे तभी लोगों के समझ आयेगा कि उनकी झोफड़ियों में आग लगी है और कुत्ता रोटी लेकर भाग गया है।



गिरिश पंकज

देश के वनप्रांतों में फैला सशस्त्र नक्सलवाद लगभग खत्म हो चुका है मगर शहरी क्षेत्र में जो नक्सलवाद वैचारिक रूप से उपस्थित है उसे अब दिमागी नक्सलवाद या अर्बन नक्सलवाद के रूप में पहचाने जाने लगा है। आग्रह-दुराग्रह से मुक्त होकर इस विषय को समझने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से ‘दिमागी नक्सलवाद’ और आंतरिक चुनौतियों पर दिया गया बयान राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर व्यापक चर्चा और बेचैनी का विषय बन गया है। सोशल मीडिया में अनेक बुद्धिजीवी खुद को दिमागी नक्सलवादी घोषित करने लगे हैं। इस मुद्दे के प्रमुख आयामों और इससे जुड़ी चिंताओं को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह संकेत दिया कि नक्सलवाद सिर्फ जंगलों और हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरों में बैठकर व्यवस्था, विकास और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाला बौद्धिक नेटवर्क देश के लिए एक गंभीर आंतरिक खतरा है। सरकार का दृष्टिकोण रहा है कि कुछ समूह मानवाधिकार और

पर्यावरण के मुद्दों की आड़ में विकास परियोजनाओं (बुनियादी ढांचा, उद्योग, ऊर्जा) को रोकने और देश की आर्थिक प्रगति को बाधित करने का प्रयास करते हैं। आलोचकों, बुद्धिजीवियों और विपक्षी दलों का तर्क है कि ‘दिमागी नक्सली’ या ‘अर्बन नक्सल’ जैसे शब्दों की कोई सटीक कानूनी परिभाषा नहीं है। ऐसे में यह डर बना रहता है कि सरकार की नीतियों से असहमति जताने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और शिक्षाविदों को भी इस दायरे में लपेटकर निशाना बनाया जा सकता है। मानवाधिकार संगठनों की चिंता है कि इस तरह के विमर्श से जमीनी मुद्दों (जैसे आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन के अधिकार, विस्थापन, पर्यावरण संरक्षण) पर आवाज उठाने वालों को देश-विरोधी करार दिए जाने का जोखिम बढ़ता है। सख्त आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों पर होने वाली कार्रवाइयों को लेकर न्यायविदों और नागरिक समाज में पहले से ही चिंताएं रही हैं। लाल किले के मंच से इस विषय के उठने से इन चिंताओं को और बल मिला।

सुरक्षा एजेंसियों और सरकार के समर्थकों का मानना है कि राष्ट्र की संप्रभुता और एकता की रक्षा के लिए उन ‘स्लीपर सेल्स’ और बौद्धिक नेटवर्कों की पहचान करना आवश्यक है, जो पर्दे के पीछे से विध्वंसक गतिविधियों को हवा देते हैं। दूसरी ओर, नागरिक समाज का आग्रह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लोकतांत्रिक असहमति और जायज आलोचना के अधिकार को सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि देश में स्वस्थ विमर्श और स्वतंत्र

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के रणनीतिक दस्तावेजों, विशेषकर में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया था कि शहरों में बौद्धिक नेटवर्क, छात्र संगठनों, मजदूर संघों और नागरिक अधिकार मंचों के जरिए वैचारिक आधार तैयार करना क्रांति का अहम हिस्सा है।?इसी पृष्ठभूमि में अर्बन नक्सल या दिमागी नक्सली शब्द प्रचलन में आया। यह शब्द मुख्य रूप से उन लोगों को लक्षित करता है जो कानूनी और लोकतांत्रिक ढांचे



विचारधारा को बौद्धिक, कानूनी, वित्तीय या प्रचार-प्रसार से जुड़ा समर्थन देते हैं। नक्सलवाद का उद्भव.. नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से एक सशस्त्र कृषि-क्रांति के रूप में हुई थी। दशकों तक इसे मुख्य रूप से ‘दंडकारण्य’ और ‘लाल गलियारे’ के घने जंगलों में सक्रिय बंदूकधारी लड़ाकों तक सीमित माना गया। हाल के वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों और राजनीतिक विश्लेषकों ने पाया कि माओवादी केवल जंगलों में सीमित नहीं हैं। के भीतर रहते हुए उन प्रणालियों की वैधता को चुनौती देते हैं।?पारंपरिक नक्सली बंदूकों और बारूद के जरिए सत्ता को चुनौती देते हैं, जबकि दिमागी नक्सली विचारों, विमर्श और कानूनी प्रणालियों के माध्यम से प्रभाव डालते हैं। विश्वविद्यालयों, साहित्य, मीडिया और कला के माध्यम से राज्य को केवल शोषक, दमनकारी और जनविरोधी साबित करने वाला विमर्श खड़ा करना। मानवाधिकार की आड़ में जेल में बंद माओवादी कैडरों को कानूनी सहायता दिलाना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके पक्ष में अभियान

चलाना। उच्च शिक्षण संस्थानों में हाशिए पर खड़े समुदायों (आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक) के वास्तविक असंतोष का फायदा उठाकर उनमें लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करना। गैर-सरकारी संगठनों और मानवाधिकार समूहों के माध्यम से ऐसे विमर्शों को वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना जो देश की आंतरिक सुरक्षा और विकास परियोजनाओं (जैसे खनन, बांध, हाईवे) में बाधा डालें।

सशस्त्र नक्सली जंगल में सक्रिय रहे, तो उनके समर्थक दिमागी नक्सली शहरीक्षेत्र में सक्रिय रहे। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र, जंगल, वस्त्र, सुकमा आदि में सशस्त्र नक्सली कार्य करते हैं, और दिमागी नक्सली महानगरों में, कुछ विश्वविद्यालयों में यहाँ तक कि मीडिया में भी सक्रिय हैं। जंगलजीवी नक्सलियों के पास आधुनिकता और देशी बंदूकें हैं तो अर्बन नक्सली कलम, कानून, शोध-पत्र, सोशल मीडिया, जनहित याचिकाएं रखते हैं। एक तरफ प्रत्यक्ष हिंसा, सुरक्षाबलों पर हमले करते थे, यो दूसरी तरफ वैचारिक औचित्य गढ़ कर सहानुभूति पैदा करने का काम किया जाता रहा है?। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने कई ऐसे मामलों की जांच की है जहां प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर भूमिगत माओवादी नेटवर्क से सीधे संबंध होने के आरोप लगे। 2018 का भीमा कोरोगांव मामला का पिक्चर चित्र कबीर कला मंच और एलगार परिषद से जुड़े कई प्रसिद्ध वकीलों, प्रोफेसर्स और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं जैसे रोना विल्सन, सुधा भारद्वाज, बरवरा राव, गौतम नवखा आदि) की गिरफ्तारी हुई। जांच एजेंसियों का दावा था कि ये लोग शहरी नेटवर्क के जरिए माओवादी शीर्ष नेतृत्व से जुड़े थे। इसी तरह दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जी.एन. साईबाबा पर माओवादियों को लॉजिस्टिक और बौद्धिक सहायता देने के आरोप लगे और उन पर लंबे समय तक मुकदमा चला।?अर्बन नक्सली शब्द के प्रयोग को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, उदारवादी बुद्धिजीवियों और न्यायविदों के बीच गंभीर चिंताएं भी हैं।आलोचकों का तर्क है कि सरकार की नीतियों, मानवाधिकार उल्लंघनों या कॉरपोरेट-आदिवासी संघर्षों पर सवाल उठाने वाले हर स्वतंत्र विचारक को ‘दिमागी नक्सली’ करार देकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में राज्य की नीतियों की कड़ी आलोचना अपराध नहीं है। यदि आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन के अधिकारों की वकालत करने वाले हर सामाजिक कार्यकर्ता को नक्सली मान लिया जाएगा, तो लोकतांत्रिक असहमति के लिए जगह खत्म हो जायेगी। कानूनी तौर पर ‘दिमागी नक्सली’ या ‘अर्बन नक्सल’ जैसी कोई स्पष्ट कानूनी धारा नहीं है। इसे अक्सर एक राजनीतिक बलबेल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिससे राजनीतिक दुरुपयोग का जोखिम बढ़ता भी है।?राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है।

बोध कथा

सत्यता की राहें से न भटकने वाला ही महावीर



बहुत समय पहले तिब्बत की राजधानी ल्हासा में बौद्ध भिक्षुओं केदो आश्रम थे। बड़ा आश्रम ल्हासा में था। उसकी एक छोटी गांव में थी। इसके लामा वृद्ध हो गए थे। उन्होंने सोचा कोई उत्तराधिकारी बनाया जाए। तो वो अपने एक शिष्य को उस बड़े आश्रम में भेजते हैं। इस पर कहीं दूर के आश्रम से वहां के गुरु उस शिष्य के साथ दस शिष्यों को भेजते हैं। परंतु शिष्य कहता है कि दस शिष्य नहीं, सिर्फ एक ही। परंतु वो कहते हैं चिंता न करो पहुंचेगा एक ही। तो दूसरे दिन वो दस शिष्य भिक्षु और दस भिक्षु निकल पड़ते हैं। यात्रा बहुत लंबी थी। चहत्ते-2 एक शिष्य सोचता है किकैसा मेरा जीवन रहा? आश्रम में सुबह-सुबह उठकर ध्यान के लिए बैठो, प्रवचन सुनो, दिन भर सेवाएं फिर शाम को वापिस ध्यान में बैठो। शास्त्र पढ़ो और फिर वही-2 बातें। ऐसा मेरा कठोर जीवन है। जिस रास्ते से जाते हैं, उस रास्ते में अपना गांव देखकर उसे घर याद आ जाता है। वो साथियों से कहता है कि आगे चलो मैं थोड़ी देर में आता हूं। काफिला आगे बढ़ता है, थोड़े थोड़े का लक्षण दिखाई नहीं सोचता है कि ये कैसा जीवन है? आश्रम में किनने सालों से सेवाएं, साधनाएं, तपस्या कर रहा हूं, परंतु कोई उन्नति का लक्षण दिखाई नहीं देता। तो वो भी कहता है कि थोड़ी दूर ही मेरे गांव में मेरी बूढ़ी मां बीमार है।

कविता

बात एक रात की



रात की बात
घटना एक घटी
बदला माहौल
सब रह गए दंग

ना कभी सोचा था
वह हो गया
कोई अपना
अपनो से बिछड़ गया

यादों में बह रहे है आंसू
जुबान में शब्द नहीं
भावनाएं बोल रही है
रह रहकर अटक रही है

सामने पड़ा है ईसान
बेजुबान हो गया है
कल तक जो बोलता था
आज मौन हो गया है

लोगो को जल्दी है
समय पृष्ठ रहे है

तारीखों पर बात कर रहे है
ईसान की कीमत समझा रहे है

घर में मची है चीख पुकार
आंखे एक टक उसे देख रही है
कही तो सास का संकेत मिले
इस आस में सौंसे रोके खड़े है

चला गया ईसान
अब नहीं आएगा
मन कब समझ पाएगा
खड़े है आगे कौन बताएगा

जीवन में कौन सा पल
क्या संदेश लेकर आएगा
कोई नहीं जान पाया
किंतु घमंड कम नहीं हो पाया

ऐसी रात आएगी
सभी के जीवन में
सत्य तो केवल यही है
इससे कौन बच पाएगा।

व्यंग्य केसरी

रामजी के चिरई ,रामजी के खेत



ललन चतुर्वेदी

हमलोग संसारी जीव हैं. संसारी मतलब व्यापारी. नफ़ा-नुकसान बहुत सोचते हैं. थोड़ा सी तकलीफ होती है और हाथ-पैर पटकने लगते हैं. छटपटाने लगते हैं. बाबाजी इन सबसे पार जाने का रास्ता सरल-सहज शब्दों में बतलाते हैं. हमें कुछ नहीं करना है. थोड़ा सा आध्यात्मिक होना है. सारे झगड़े-फ़साद चुटकी बजाते हल हो जायेंगे. समस्या वहाँ है जहाँ समझ का फेर है. विनोबा भावे ने भूदान आन्दोलन में नारा

दिया था- सबै भूमि गोपाल की. उसी प्रकार संत भी कहते हैं - साई के सब जीव हैं कीरी कुंजर कोय. मान लीजिए राम-दरबार में चोरी हो गयी तो क्या हो गया? कोई अनहोनी तो नहीं हुई. दान करने वाले में राम, सुरक्षा प्रहरी में राम, नोट गिनने वाले में राम,जमा करने वालों में भी राम . जिधर देखो उधर राम ही राम .सब तो राममय हैं. मुजरिम भी और मुंसिफ भी. लेकिन कुछ लोग हैं जिन्हें न चैन है,न आराम. भाई, राम पर भरोसा रखिए, लेकिन वे मानेंगे नहीं. वे दिन-रात कह रहे हैं- राम काम कीजै बिना मोहिं कहीं विश्राम. कुछ लोग कहते हैं-सीसीटीवी बंद हो गया या कर दिया गया तो इसमें हो-हल्ला करने की जरूरत क्या है? ऊपर वाला सब देख रहा है. उनकी नजरों से कौन बचेगा? विश्वास रखिए, उधर दूसरे लोग गल्ला फाड़ कर चिल्ला रहे हैं- एफआईआर करने में देर हो

गयी. उनको कौन समझाए कि हड़बड़ी का काम शैतान का होता है. राम का काम है,आराम से होगा. धीरज धारण करना चाहिए. कुछ लोगों का कहना है कि ये नहीं बोल रहे हैं, वे नहीं बोल रहे हैं. भाई, सब लोगों का बोलना जरूरी है क्या? मेरे विचार से कम लोगों को बोलना चाहिए और अधिक लोगों को सुनना चाहिए. कम से कम बोलना चाहिए .अधिक की प्रतीक्षा करनी चाहिए. अब हम अधिक सुनना चाहिए. सुनवाई की प्रतीक्षा करनी चाहिए. अब हम कलमकारों को ही देख लीजिए. किन्तना सोच-समझ कर बोलते हैं. एक महीना बीतने को है तब मैं कुछ बोलने के लिए सोच रहा हूँ. हम साहित्यकारों की भी एक टीम होती है- एस आई टी- साहित्यिक इंवेस्टिगेशन टीम. इसका भी कोड कौन बचेगा? विश्वास रखिए, उधर बोलना है और किस पर चुप्पी साध लेना है-ये सब पहले से एजेंडा में

तय करके रखा है. अपनी बात बतलाऊं तो मैं तुलसीदास की बात को मानता हूँ- अरथ न धरम न काम रूचि, गति न चहँौ निर्वाण. परमपद में रूचि नहीं है, तपस्या के कार्य क्षेत्र में हैं. अफ़सोस नहीं करना चाहिए, जो गया है, सब राम जी के खाते से राम जी खाते में गया है. वे गलत थोड़े हैं, वे तो संस्था के बाद गीत गाते हुए घर लौटते थे-रामजी के चिरई ,रामजी के खेत, खा ले रे चिरई भर-भर पेटी. प्रतीक्षा कीजिए. चिंता करने की कोई बात नहीं- जाहि विधि रखे राम वाहि विधि रहिए।

इतिहास

20 अगस्त का दिन भारत और विश्व इतिहास में पूर्व प्रधानमंत्री Rajiv Gandhi की जयंती और सद्भावना दिवस के रूप में दर्ज है। इस दिन भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री का जन्म हुआ था और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाएं भी हुईं। मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ1828: ब्रह्म समाज की पहली सभा कलकत्ता (अब कोलकाता) में आयोजित की गई। 1914: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने बेल्जियम के ब्रसेल्स शहर पर कब्जा किया। 1975: अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए Viking 1 अंतरिक्ष यान को लॉन्च किया। 1988: लगभग सात साल तक चले किनाशकारी ईरान-इराक युद्ध का अंत हुआ। 1995: फिरोजाबाद के पास ट्रेन दुर्घटना में लगभग 300 से अधिक लोगों की मौत हुई।

एससी कॉलेजियम ने हाईकोर्ट के लिए तीन नामों पर लगाई मुहर

संतोष शर्मा, सुषमा सावंत और सुधीर कुमार बनेंगे जज

विश्व केसरी■
बिलासपुर (अमित मिश्रा)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायिक कामकाज को अधिक गति देने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 अगस्त 2026 को हुई अपनी बैठक में तीन वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को जज बनाने के प्रस्ताव को अपनी अंतिम स्वीकृति दे दी है। कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित नामों में कोरबा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष शर्मा, विधि एवं विधायी कार्य विभाग रायपुर की प्रधान सचिव सुषमा सावंत और रायपुर फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सुधीर कुमार शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम के इस फैसले के बाद अब केंद्रीय कानून मंत्रालय की ओर से वारंट जारी होने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे बिलासपुर स्थित हाईकोर्ट में जजों की कमी दूर करने में बड़ी मदद मिलेगी।

स्वीकृत किए गए तीनों अधिकारियों के पास जिला न्यायपालिका और राज्य विधिक प्रशासन में कार्य करने का लंबा अनुभव है। संतोष शर्मा 9 मई 2025 से कोरबा जिले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं वरिष्ठ अधिकारी



सुषमा सावंत 13 अक्टूबर 2025 से रायपुर में राज्य शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में प्रधान सचिव का महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद संभाल रही हैं। तीसरे अनुशंसित अधिकारी सुधीर कुमार 27 मार्च 2025 से रायपुर कुटुंब न्यायालय (फैमिली कोर्ट) में प्रधान न्यायाधीश के रूप में पारिवारिक और दीवानी विवादों का निस्तारण कर रहे हैं। इन अधिकारियों की विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता और लंबा न्यायिक अनुभव हाईकोर्ट के दैनिक कामकाज में बेहद उपयोगी साबित होगा।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में स्वीकृत पदों के तुलना में कार्यरत जजों की संख्या कम होने से अदालतों पर मुकदमों का बोझ लगातर बढ़ता

जा रहा था। राज्य के विभिन्न जिला न्यायालयों से प्रशासनिक और न्यायिक अनुभव रखने वाले अधिकारियों को हाईकोर्ट भेजने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और परामर्शदाता जजों की सिफारिशों, खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट तथा मुकदमों की सुनवाई में गुणवत्ता और तेजी दोनों देखने को मिलेगी।

हाईकोर्ट में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से प्रदेश भर के मुकदमों के त्वरित निस्तारण पर सकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में बिलासपुर हाईकोर्ट में हजारों दीवानी, आपराधिक, रिट याचिकाएं और पारिवारिक अपीलें लंबित हैं, जिससे पक्षकारों को तारीखों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। नए जजों के कार्यभार संभालने से नई पीढ़ी का गठन संभव हो सकेगा, जिससे दैनिक कॉज लिस्ट में शामिल मुकदमों की सुनवाई तेजी से होगी। इसका सबसे बड़ा फायदा उन गरीब और आम पक्षकारों को मिलेगा जो वर्षों से अपने मामलों में न्याय मिलने की आस लगाए हुए हैं।

सिफारिश अब केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय को भेजी जाएगी। राष्ट्रपति भवन से आधिकारिक स्वीकृति मिलने और वारंट ऑफ अपॉइंटमेंट जारी होने के बाद बिलासपुर हाईकोर्ट में नए न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। न्यायविदों का मानना है कि जिला स्तर पर सिविल, क्रिमिनल और फैमिली लॉ में वर्षों तक काम कर चुके जजों की नियुक्ति से अपीलीय मुकदमों की सुनवाई में गुणवत्ता और तेजी दोनों देखने को मिलेगी।

हाईकोर्ट में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से प्रदेश भर के मुकदमों के त्वरित निस्तारण पर सकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में बिलासपुर हाईकोर्ट में हजारों दीवानी, आपराधिक, रिट याचिकाएं और पारिवारिक अपीलें लंबित हैं, जिससे पक्षकारों को तारीखों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। नए जजों के कार्यभार संभालने से नई पीढ़ी का गठन संभव हो सकेगा, जिससे दैनिक कॉज लिस्ट में शामिल मुकदमों की सुनवाई तेजी से होगी। इसका सबसे बड़ा फायदा उन गरीब और आम पक्षकारों को मिलेगा जो वर्षों से अपने मामलों में न्याय मिलने की आस लगाए हुए हैं।

पलेमा के जंगल में मिला नर कंकाल, 7 अगस्त से लापता था 50 वर्षीय व्यक्ति

विश्व केसरी■
गरियाबंद/छुरा (मानसिंह)। छुरा विकासखंड के ग्राम पलेमा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पलेमा के जंगल में एक व्यक्ति का नर कंकाल बरामद हुआ है। मृतक की पहचान भक्तु राम जगत, उम्र करीब 50 वर्ष, के रूप में बताई जा रही है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार भक्तु राम जगत 7 अगस्त को जंगल की ओर गया था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना नहीं दी। बताया जा रहा है कि वह

जंगली जानवर के हमले की आशंका, लेकिन पुष्टि नहीं
ग्रामीणों के अनुसार पलेमा के जंगल क्षेत्र में जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। घटनास्थल से मिले कुछ सामान और परिस्थितियों को देखते हुए ग्रामीण जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रहे हैं। करीब एक सप्ताह बाद केवल नर कंकाल मिलने के कारण यह संभावना भी जताई जा रही है कि शरीर को जंगली जानवरों ने क्षत-विक्षत किया हो। हालांकि, जंगली जानवर के हमले से मौत होने की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम, फॉरेंसिक जांच और पुलिस की जांच के बाद ही चल सकेगा।

पहले भी तीन-चार दिनों तक घर से बाहर रहता था और बाद में वापस लौट आता था, जिसके कारण परिजनों को उसके लापता होने की तत्काल आशंका नहीं हुई। इसी बीच 17 अगस्त को छुरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि पलेमा के जंगल में एक व्यक्ति का नर कंकाल पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही छुरा थाना पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने नर कंकाल को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरपंच ने तालाब में कब्जा कर धान का खेत बनाया, ग्रामीणों का विरोध

विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर/दुर्गकोंदल (दीपक शर्मा)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2024-25निर्मित सार्वजनिक तालाब को सरपंच ने कब्जा कर खेत बनाकर धान बुआई किया है। ग्रामीणों ने सरपंच और सरपंच पति के द्वारा सरकारी तालाब में कब्जा कर खेत बनाकर धान बुआई करने की शिकायत जिला पंचायत सीईओ से किया था। ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर जिला पंचायत कांकेर के आदेश क्रमांक 3576 दिनांक 13/08/2026 के परिपालन मे 17अगस्त को जांच अधिकारी जनपद दुर्गकोंदल के पीओ बालकिशन बंजारे और आरईएस विभाग के एसडीओ देवेंद्र हठिले ग्राम तराईथोर्टिया जांच करने पहुंचे। जांच अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत का मिलान किया और मौका जाकर देखा तो शिकायत सच हुई। सरपंच और सरपंच पति ने 2024-25 में निर्मित तालाब की मेड़ तोड़कर समतल बनाया है। और धान बुआई कर खेती कर रहा है। जनपद पंचायत दुर्गकोंदल के पीओ और एसडीओ की जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट लिखा है,



कि वर्ष 2024-25 में निर्मित सार्वजनिक तालाब को वर्तमान सरपंच के द्वारा अतिक्रमण कर खेती किया जा रहा है, मौका मुआयना ग्रामीणों के साथ किया गया। जिसमें जांच अधिकारी ने पाया कि सार्वजनिक तालाब की मेड़ को काटकर समतल बनाकर धान बुआई की गई है, तालाब को क्षति पहुंचाकर सार्वजनिक संपत्ति की नुकसान हुई है। यह कार्य वर्तमान सरपंच जबाय नुरुदी के पति जगदेव नुरुदी के द्वारा किया गया है। इधर जांच सही पाये जाने पर ग्रामीणों ने

सरपंच को बर्खास्त करने और सरपंच और सरपंच पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की मांग कर रहे हैं। जांच अधिकारी देवेंद्र हठिले ने बताया कि जिला पंचायत कांकेर के आदेश पर आज जांच करने तराईथोर्टिया पहुंचे थे। ग्रामीणों की शिकायत सही पाया गया है। सरपंच और सरपंच पति ने मनरेगा से निर्मित सरकारी तालाब पर कब्जा कर धान बुआई किया है। मौके पर पंचनामा तैयार कर किया गया है। जांच रिपोर्ट जिला पंचायत भेजा जायेगा।

अंतागढ़ में खाद-बीज दुकानों पर एसडीएम की छापामार कार्रवाई, अधिक दर पर डीएपी बिक्री का मामला उजागर

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। खाद एवं बीज दुकानों में रासायनिक खाद को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेचे जाने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) राहुल रजक के नेतृत्व में खाद-बीज दुकानों पर छापामार कार्रवाई की गई।

प्रशासनिक टीम ने क्षेत्र की विभिन्न खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता, बिक्री दर और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। कार्रवाई के दौरान जैन कृषि केंद्र में डीएपी खाद निर्धारित मूल्य से काफी अधिक दर पर बेचे जाने का मामला सामने



आया। जांच में पता चला कि जिस डीएपी खाद की निर्धारित कीमत 1,350 रुपये है, उसे कथित तौर पर 2,400 रुपये में बेचा जा रहा था। इस तरह प्रति बोरी 1,050 रुपये अधिक वसूले जाने का मामला सामने आया। छापामार कार्रवाई की भनक लगते ही कई खाद-बीज

दुकानदारों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कुछ दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से चले गए। प्रशासनिक टीम ने दुकानों का निरीक्षण करने के साथ ही खाद बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की।

रासायनिक खाद को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेचने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आज खाद-बीज दुकानों पर छापामार कार्रवाई कर जांच की गई। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद-बीज विक्रेताओं में हड़कंप की स्थिति है। वहीं किसानों से भी अपील की जा रही है कि वे खाद खरीदते समय निर्धारित दर की जानकारी रखें और यदि किसी दुकानदार द्वारा अधिक कीमत वसूली जाती है तो इसकी शिकायत संबंधित कृषि विभाग अथवा प्रशासन से करें।

सेजेस अंबेडकर में 76 बालिकाओं को मिली सरस्वती साइकिल

शिक्षा, राष्ट्रभावना और नशामुक्त का विधायक अमर अग्रवाल ने दिया संदेश

विश्व केसरी■
बिलासपुर (अमित मिश्रा)। विधायक अमर अग्रवाल ने मंगलवार को शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन, राष्ट्रभावना, नशामुक्त समाज, विद्यालय विकास, संगठन की मजबूती और जनसेवा से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे।

सरस्वती साइकिल योजना से बालिका शिक्षा को बढ़ावा
सत्यम टॉकीज चौक स्थित स्वामी आत्मानंद डॉ. बी.आर. अंबेडकर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित की। उन्होंने कहा कि इस योजना से बालिकाओं की विद्यालय तक पहुंच आसान हुई है और ड्रॉपआउट कम करने में मदद मिली है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2004 में बालिकाओं को विद्यालय आने-जाने के लिए साइकिल उपलब्ध कराने की पहल की थी, जिसे बाद में अन्य राज्यों ने भी



अपनाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार है तथा युवा पीढ़ी देश के भविष्य की निर्माता है।
‘विद्यार्थियों के साथ ‘वंदेमातरम्’ का सामूहिक गायन
‘वंदेमातरम्’ की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विधायक ने विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति गौरव, समर्पण और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में सहायक है।

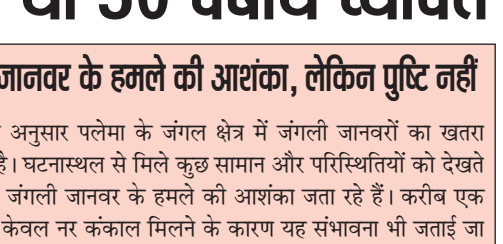
विद्यालय विकास के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा
कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल ने विद्यालय की अधीनस्थ योजना के विकास के लिए विधायक निधि से 15 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने

तथा परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त युवा ही सशक्त भारत की मजबूत नींव बन सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बाल कैबिनेट को शपथ दिलाते हुए विद्यालय के विकास में विद्यार्थियों की भागीदारी और जिम्मेदारी के महत्व पर भी जोर दिया।

‘भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा?’
सवाल पर विद्यार्थियों से संवाद
विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान एक छात्र ने विधायक से पूछा कि भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा? इसके जवाब में अमर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से ज्ञान, व्यक्तित्व और जीवन-मूल्यों का विकास करना चाहिए।

जानलेवा गड़ढे में पलटा ऑटो, मुसाफिरों के लिए चुनौती

विश्व केसरी■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खंडसरा के मुख्य चौराहे से दाढ़ी जाने वाले मार्ग पर इन दिनों सड़क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बुधवार दोपहर सड़क पर बने गड़ढे में सब्जी लेकर बेमेतरा मंडी जा रहा ऑटो अचानक पलट गया। हादसे में ऑटो में सवार लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन वाहन में रखी पूरी धनिया पत्ती खराब हो गई। वाहन मालिक को इससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।



ग्राम सेमरिया निवासी वाहन मालिक राजा सिन्हा ने बताया कि वह ऑटो में धनिया पत्ती लेकर बेमेतरा सब्जी मंडी जा रहे थे। खंडसरा मुख्य चौराहे से दाढ़ी की ओर जाने वाले मार्ग पर पहुंचते ही सड़क पर बने गड़ढे में ऑटो का पहिया चला



गया। अचानक संतुलन बिगड़ने से ऑटो सड़क पर पलट गया। वाहन में बैठे लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हादसे के बाद ऑटो में रखी धनिया पत्ती सड़क पर बिखर गई और काफी मात्रा में सब्जी खराब हो गई।
सड़क खोदकर छोड़ दिया, बारिश में बढ़ी परेशानी
ग्रामीणों के अनुसार दाढ़ी-खंडसरा मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण

का काम किया जा रहा है। निर्माण के नाम पर कई हिस्सों में सड़क को खोद दिया गया है, लेकिन बारिश शुरू होने के बाद सड़क पर उभर आए गड़्ढों का समय पर मेंटेनेंस नहीं कराया गया। बारिश का पानी गड़्ढों में भरने से उनकी गहराई का अंदाजा वाहन चालकों को नहीं लग पाता। ऐसे में आए दिन दोपहिया, ऑटो और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है।
ग्रामीणों का कहना है कि दाढ़ी

से खंडसरा होते हुए आसपास के गांवों को जोड़ने वाला करीब 15 किलोमीटर लंबा मार्ग लंबे समय से बदहाली का शिकार है। वर्तमान में सड़क की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि कई स्थानों पर सामान्य आवागमन भी मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है।
गांवों का बेमेतरा, दुर्ग और रायपुर से संपर्क प्रभावित
इस मार्ग से बड़ी संख्या में ग्रामीण बेमेतरा के अलावा दुर्ग और रायपुर की ओर आवागमन करते हैं। किसानों और सब्जी उत्पादकों के लिए यह सड़क विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ग्रामीण इसी रास्ते से अपनी उपज बेमेतरा मंडी तक पहुंचाते हैं। सड़क खराब होने से जहां वाहनों को नुकसान का खतरा रहता है, वहीं सब्जियों को समय पर

मंडी तक पहुंचाना भी चुनौती बन गया है।
ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान कई जगह सड़क पर कीचड़ और पानी भर जाता है। बड़े गड़्ढों के कारण वाहन चालक जोखिम उठाकर आवागमन करने को मजबूर हैं। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि ग्रामीण अपने गांव से पैदल खंडसरा मुख्य मार्ग तक पहुंचते हैं और वहां से दूसरे साधन मिलने के बाद आगे का सफर करते हैं।
दुर्घटना के बाद भी जिम्मेदारों ने नहीं लिया सबक
बुधवार को ऑटो पलटने की घटना के बाद ग्रामीणों में सड़क निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान आवागमन के लिए सुरक्षित व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

जज्बे के सामने उम्र नहीं बनी बाधक

पथरीले रास्तों से तय की मंजिल और सुरक्षित लौटे व मुख्यधारा के कार्यों में जुटे

विश्व केसरी■
बिलासपुर (अमित मिश्रा)। उम्र तो केवल नम्बर मात्र है जज्बा जुनून के आगे आखिरकार हम सब नतमस्तक हो ही जाते हैं , वाकया इस तरह का सामने देखने को मिला कि, बिलासपुर कुड्डूदंड 27 खोली निवासी 79 वर्षीय शिवसदन सिंह उर्फ बिहारी दादा की है जो कुछ दिन पहले बिलासपुर से औरंगाबाद जिला के एक गांव ‘सलवा’ अपने बच्चों की स्कूटी को इस उम्र में चलाकर अपने गांव पहुंच गया था और उसी स्कूटी से वापस बिलासपुर लौटा है। जब मैंने बिहारी दादा से आपबीती घटना के बारे में जानकारी चाही तो उसने बताया कि बात दरअसल यह था कि गांव जाने के लिए बिलासपुर



बस स्टैंड गया , बस वाले ने उसे 1700 रु .टिकट खर्च बताया तो उसने सोचा बस का आने जाने का 3400 रु. और वहां के बस स्टैंड से गांव आने जाने का 300 रु.अलग देना होगा, बिहारी दादा सोच में पड़

गया तब उनके दिमाग में आइडिया आया कि क्यों न अपनी स्कूटी को अपने गांव 2 से ही गांव जाया जाए और स्कूटी में 700 रु.का तेल डाल दूसरे दिन अपनी पत्नी से बोला रोजी दो समय का बनवाया और सुबह 7 बजे निकल गांव की ओर निकल पड़ा दोपहर कटघोरा के आगे पेड़ की छांव में रोटी खाया और कुछ देर आराम कर पुनः चल पड़ा, अम्बिकापुर से 40 कि.मी . आगे शाम 6बजे एक ढाबे में रुक अपने साथ लाए खाने को खाया और वहीं रात गुजारा और पुनः सुबह 5 बजे मंजिल की ओर

चल पड़ा अपने गांव की ओर , अंततः 12 बजे दोपहर औरंगाबाद पहुंचा और वहीं से अपने गांव 2 बजे पहुंचे अपने घर के कार्यक्रम में शरीक भी हो गया। और ठीक वैसे ही 3दिन बाद बिलासपुर के लिए निकल पड़ा और बिलासपुर दूसरे दिन पहुंचे अपने आटा चक्को में रोज की भांति काम में लग गया।
बिहारी दादा बहुत ईमानदार और स्वयं की मेहनत पर विश्वास करता है। इसी बात को 27खोली निवासी सीपत के पूर्व विधायक रहे चंद्रप्रकाश बाजपेयी ने उन्हें अपने दुकान को नि:शुल्क दुकान दिया जिसमें आटा चक्को लगा अपनी जीवन की आजीविका 30सालों से चला रहा है , परिवार में पत्नी सहित दो लड़की भी है।

रामचरितमानस मानस परायण का 15 वाँ वर्ष

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह)। नगर के हृदय स्थल में स्थित राम जानकी मानस मंदिर में सावन महीने का मास परायण 30 जुलाई से प्रारंभ हुआ शिक्षक मानस परिवार द्वारा प्रतिवर्ष श्रावण माह में पूरे दिन रामचरितमानस का मास परायण पाठ विगत 15 वर्षों से करते आ रहे हैं। प्रतिदिन भजन कीर्तन तथा अरण्यास करण्यास के साथ हनुमान चालीसा और मानस में निर्धारित एक विश्राम पाठ किया जाता है पश्चात आरती की जाती है रामचरितमानस तीस विश्राम में विभाजित है विदित हो कि नगर में यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही थी जिसे शिक्षक मानस परिवार द्वारा विगत वर्षों से इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं जिसमें नगर के सभी भक्त जनों का सहयोग प्राप्त होता है सावन मास शिशिरंकर का प्रिय माह माने है भोलेनाथ प्रभु श्रीराम को अपना इष्ट भानते हैं सावन में शिव भक्तों द्वारा भावना भोलेनाथ को प्रसन्न कर मनीती पूर्ण करने की परंपरा चली आ रही है



कोई जल चढ़ा कर, सावन सोमवार उपवास करके, कोई कौंवर यात्रा तो कोई तीर्थयटन करके अपने को धन्य करता है। इसी प्रकार राम भक्तों द्वारा रामचरितमानस का पाठ करने के अपने को धन्य करने तथा संसार को पवित्र करने का कार्य किया जाता है कहा जाता है कि भोलेनाथ स्वयं सदैव श्रीराम का ध्यान करते हैं जो व्यक्ति पूरे सावन मास में श्रीराम का नाम या रामचरित मानस पाठ करता है उस पर भोलेनाथ की असीम कृपा होती है शिक्षक मानस परिवार के सदस्यों को मानस मंदिर के पुजारी यज्ञेश पांडेय द्वारा विधि विधान से संकल्प करारकर पाठ प्रारंभ कराए। विगत वर्षों

की भाँति इस वर्ष भी प्रति दिन संंध्या 6:00 से 7:30 बजे तक पाठ किया जा रहा है नगर के भक्त जनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील पोषण ठाकुर वर्मा, विमल पुरोहित, पुखराज लाल, घनश्याम सिन्हा, रूपेश कुमार शर्मा, रामकुमार साहू, केशव प्रसाद साहू, कैलाश पटेल रोशन शर्मा, उपेन्द्र पटेल, ओभप्रभा साहू भोला पांडेय हेमंत कंसारी आदि शामिल होकर पाठ में सहभागी बन रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 325 अंक लुढ़का

विश्व केसरी ■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 325.78 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,909.68 और निफ्टी 76.60 अंक या 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,078.30 पर था।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.49 प्रतिशत और निफ्टी एनजी 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लुजर्स थे। निफ्टी मीडिया , निफ्टी पीएएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया मैनुफैक्चरिंग, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी फार्मा और निफ्टी कंजप्शन भी लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ निफ्टी आईटी और निफ्टी कंज्युम इयूरबल्स हरे निशान में बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और



स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 130.65 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,408.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 101.70

अंक या 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,707.15 पर था।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा,

टाइटन, टीसीएस, इन्फोसिस और ट्रेड गेनर्स थे। पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, आईटीसी, एचयूएल, बीईएल, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि अमेरिकी फेड की मीटिंग के मिनट्स जारी होने से पहले मार्केट में सतर्कता देखी गई क्योंकि निवेशकों को चिंता है कि महंगाई के खिलाफ फेड सख्त रुख रख सकता है। वहीं, अमेरिका-ईरान सीजफायर खत्म होने के बाद कोई कूटनीतिक समाधान न निकलने से क्रूड ऑयल की कीमतें और बॉन्ड यील्ड ऊंचे बने रहे, जिससे निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि एशियाई बाजारों में कमजोरी के चलते भारतीय इक्विटी में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई, हालांकि वेल्यू बाइंग और कमजोर रुपए के सपोर्ट से आईटी शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज को एक ग्लोबल टेक कंपनी से मिला 75 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कॉन्ट्रैक्ट

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास सेवाएं प्रदान करने वाली एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने बुधवार को घोषणा की कि उसे एक अग्रणी ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी से 75 मिलियन डॉलर (करीब 650 करोड़ रुपए) से अधिक मूल्य का पांच वर्षीय अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) प्राप्त हुआ है। यह सौदा कंपनी की वैश्विक इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी में बताया कि इस परियोजना के तहत वह अपने इंजीनियरिंग इंटेलिजेंस (ईआई) समाधान का उपयोग करते हुए ग्राहक की उत्पाद विकास और इंजीनियरिंग प्रक्रिया को और अधिक दक्ष बनाएगी। यह अनुबंध उत्पाद के संपूर्ण जीवनचक्र में



तकनीकी समर्थन और डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित होगा।

एलटीटीएस के अनुसार, इस समझौते में उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, परीक्षण एवं सत्यापन, रखरखाव इंजीनियरिंग, प्लेटफॉर्म संचालन और अन्य डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाएं शामिल हैं। कंपनी अपने उन्नत इंजीनियरिंग इंटेलिजेंस समाधानों

जा सकता। कंपनी ने केवल इतना बताया कि यह अनुबंध एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी द्वारा प्रदान किया गया है और अगले पांच वर्षों में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

यह बड़ा ऑर्डर ऐसे समय मिला है जब एलटीटीएस वैश्विक बाजारों में अपनी इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन और एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार कर रही है। कंपनी लगातार उन्नत तकनीकों पर निवेश बढ़ा रही है और विनिर्माण, प्रौद्योगिकी तथा औद्योगिक क्षेत्रों के ग्राहकों को नई पीढ़ी के समाधान उपलब्ध करा रही है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर भी कंपनी ने हाल ही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एलटीटीएस का समेकित शुद्ध लाभ 17.4 प्रतिशत बढ़कर 352 करोड़ रुपए हो गया। इसी अवधि में कंपनी की आय 11.5 प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपए रही।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला : 9,450 करोड़ रुपए की 4 रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को देश में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 13,041 करोड़ रुपए की लागत वाली पांच महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी में चार मल्टीट्रेकिंग रेल परियोजनाएं और बिहार में एक चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शामिल है। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से परिवहन क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और विभिन्न राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में

जाएंगे। इसके अलावा, भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन परियोजना के लिए 1,583 करोड़ रुपए, गुम्मिडीपुंडी-गुड्डूर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,229 करोड़ रुपए और कटक-पारादीप तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,286 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ यात्री और मालगाड़ियां अधिक दक्षता से संचालित की जा सकेंगी।

सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल परिवहन सुविधाओं का विस्तार करना नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती यात्री और माल ढुलाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता निर्माण करना भी है। रेलवे नेटवर्क में अतिरिक्त ट्रेक जुड़ने से भीड़भाड़ कम होगी, ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार आएगा और औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलेगा।

इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 410 किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी, जिससे व्यस्त रेल मार्गों पर ट्रेनों की आवਾजाही अधिक सुगम होगी और माल परिवहन में भी तेजी आएगी।

सबसे बड़ी रेल परियोजना खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन की 173 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिस पर लगभग 3,352 करोड़ रुपए खर्च किए

जाएंगे। इसके अलावा, भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन परियोजना के लिए 1,583 करोड़ रुपए, गुम्मिडीपुंडी-गुड्डूर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,229 करोड़ रुपए और कटक-पारादीप तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना के लिए 2,286 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ यात्री और मालगाड़ियां अधिक दक्षता से संचालित की जा सकेंगी।

सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल परिवहन सुविधाओं का विस्तार करना नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती यात्री और माल ढुलाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए क्षमता निर्माण करना भी है।

रेलवे नेटवर्क में अतिरिक्त ट्रेक जुड़ने से भीड़भाड़ कम होगी, ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार आएगा और औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलेगा। इन परियोजनाओं को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत विकसित किया जाएगा, जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

इन रेल मार्गों पर कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लौह एवं इस्पात, कटेनर, ऑटोमोबाइल और खाद्यान्न जैसे प्रमुख माल की आवाजाही होती है। क्षमता विस्तार से करीब 76 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल ढुलाई होने की उम्मीद है।

वैश्विक तनाव और ऊंचे बॉन्ड यील्ड के दबाव में टूटा सोने-चांदी का भाव, सिल्वर करीब 2 प्रतिशत फिसला



विश्व केसरी ■

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू सरफा और वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश की बदलती धारणा के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है, जिसका असर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी साफ दिखाई दिया, जहां सोना 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से

नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाज़िर सोना 4,350 डॉलर प्रति औंस के नीचे कारोबार करता नजर आया, जबकि हाज़िर चांदी करीब 62.8 डॉलर प्रति औंस के आसपास संघर्ष करती रही। वैश्विक बाजारों में आई इस कमजोरी का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा, जिससे निवेशकों में बिकवाली का दबाव बढ़ गया। घरेलू वायदा बाजार में सबसे ज्यादा दबाव चांदी पर देखने को

मिला। एमसीएक्स पर सितंबर डिलीवरी वाली चांदी का भाव पिछले कारोबारी सत्र के बंद स्तर 2,32,419 रुपए प्रति किलोग्राम से टूटकर 2,27,931 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर तक आ गया। इस दौरान चांदी में 4,488 रुपए यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह चांदी 1.61 प्रतिशत यानी 3,734 रुपए की गिरावट के साथ 2,28,685 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि व्यापक कमोडिटी कमजोरी और मुनाफावसूली के कारण चांदी में अधिक दबाव देखने को मिला।

इस बीच, सोने की कीमतों में भी कमजोरी बनी रही। एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला गोल्ड फ्यूचर्स 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे फिसल गया, और दिन के कारोबार में यह अपने पिछले बंद 1,54,262 रुपए से 0.55 प्रतिशत यानी 858 रुपए फिसलकर 1,53,404 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

फ्री डिलीवरी के लिए जेटो ने बढ़ाई न्यूनतम ऑर्डर राशि, अब 199 रुपए से लेकर 299 रुपए तक करना होगा ऑर्डर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। क्विक-कॉमर्स कंपनी जेटो ने फ्री डिलीवरी पाने के लिए न्यूनतम ऑर्डर मूल्य (मिनिमम ऑर्डर वैल्यू) बढ़ा दिया है। कंपनी ने सामान्य समय में इसे 149 रुपए से बढ़ाकर 199 रुपए कर दिया है, जबकि अधिक मांग (पीक डिमांड) के दौरान यह सीमा 299 रुपए तक पहुंच रही है। इस बदलाव के साथ जेटो की फ्री डिलीवरी नीति अब प्रतिस्पर्धी कंपनियों ब्लिंकिट और इन्स्टामार्ट के समान स्तर पर आ गई है।

ग्राहकों के अनुसार, पहले जहां 149 रुपए के ऑर्डर पर फ्री डिलीवरी मिल जाती थी, वहीं अब सामान्य परिस्थितियों में कम से कम 199 रुपए का ऑर्डर देना होगा। मांग अधिक होने के समय यह न्यूनतम सीमा बढ़कर 299 रुपए तक हो जाती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब



क्विक-कॉमर्स कंपनियां अपने कारोबार की लाभप्रदता बढ़ाने और डिलीवरी लागत को नियंत्रित करने

की कोशिश कर रही हैं। बढ़ी हुई न्यूनतम ऑर्डर राशि से ग्राहकों को अपनी खरीदारी सूची में अधिक उत्पाद जोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे औसत ऑर्डर मूल्य

बढ़ सकता है और कंपनियों की प्रति ऑर्डर कमाई में सुधार हो सकता है।

हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों का मानना ​​है कि इस फैसले का असर उन ग्राहकों पर पड़ सकता है जो केवल कुछ आवश्यक वस्तुओं की त्वरित डिलीवरी के लिए छोटे मूल्य

के ऑर्डर देते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं की खरीदारी आदतों को परीक्षा अब इस नई व्यवस्था में हो सकती है।

जेटो का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है। फ्री डिलीवरी लिमिट को लेकर कंपनियां लगातार अपनी रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं, ताकि ग्राहक बनाए रखने के साथ-साथ लाभप्रदता भी बढ़ाई जा सके।

इस वर्ष मार्च में ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जैमैटो ने भी अपनी प्लेटफॉर्म फीस में करीब 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। शुल्क बढ़ाकर प्रति ऑर्डर लगभग 14.90 रुपए कर दिया गया था, जो पहले 12.50 रुपए था।

जैमैटो के बाद स्विगी ने भी अपनी प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई थी। कंपनी ने शुल्क को लगभग 17 प्रतिशत बढ़ाकर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था, जो पहले 14.99 रुपए था।

भारत का मखाना बाजार 2029-30 तक 12,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना, बढ़ती मांग से किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का मखाना (फॉक्स नट) क्षेत्र आने वाले वर्षों में तेजी से विस्तार करने की राह पर है। केंद्र सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, बढ़ते उत्पादन, मजबूत घरेलू मांग, बेहतर कीमतों और निर्यात में वृद्धि के बल पर देश का मखाना बाजार वर्ष 2029-30 तक 11,000 से 12,000 करोड़ रुपए के आकार तक पहुंच सकता है।

फैक्टशीट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच मखाना उत्पादन में केवल 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन इस अवधि में इसकी औसत कीमत लगभग 500 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 1,250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग, प्रीमियम ब्रांडिंग और सीमित आपूर्ति वृद्धि



इसके प्रमुख कारण रहे हैं।

मखाना आज स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो

रहा है। कम वसा, उच्च पोषण और पौध-

आधारित खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ते रुझान

ने इसकी मांग को मजबूत किया है। इसी

कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में इसकी खपत बढ़ रही है।

वर्ष 2024-25 में देश का कुल मखाना उत्पादन 63,910 मीट्रिक टन रहा, जबकि औसत उत्पादकता 2.03 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई। वहीं 2025-26 के द्वितीय अग्रिम अनुमान के अनुसार उत्पादन बढ़कर 80,590 मीट्रिक टन तक पहुंचने की संभावना है और उत्पादकता बढ़कर 2.34 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो सकती है।

देश में मखाना उत्पादन के मामले में बिहार सबसे आगे है। वर्ष 2025-26 में राज्य का उत्पादन लगभग 60,000 मीट्रिक टन रहने का अनुमान है।

बिहार में औसत उत्पादकता करीब 2 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर है और यह राज्य राष्ट्रीय उत्पादन का सबसे बड़ा हिस्सा प्रदान करता है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस : माइक्रोन के सेमीकंडक्टर प्लांट को 48 घंटे साप्ताहिक कार्य सीमा के साथ 12 घंटे की शिफ्ट की मंजूरी

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। भारत के सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में गुजरात की स्थिति अधिक मजबूत बने, इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिया है। इस निर्णय के अंतर्गत माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साणंद स्थित प्लांट में 12 घंटे की कार्य शिफ्ट चलाने की मंजूरी दी गई है।

गुजरात में इस प्रकार की यह पहली मंजूरी है। राज्य में अधिकार देता है, परंतु यह भी सेमीकंडक्टर उद्योग को प्रोत्साहन देकर नए रोजगार पैदा होंगे। इस 12

घंटे की शिफ्ट में कर्मचारियों के लिए सप्ताह में कुल कामकाज का समय 48 घंटे ही रहेगा।

यह मंजूरी ऑक्जूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (ओएसएच) कोड, 2020 के प्रावधानों के तहत दी गई है, जो 21 नवंबर, 2025 से समग्र देश में लागू हुआ है। यह कोड राज्य सरकारों की आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के साथ कुछ परिस्थितियों में फैक्ट्रियों को निश्चित प्रावधानों से छूट देने का अधिकार भी दिया गया है। गुजरात सरकार ने राज्य के व्यापक सार्वजनिक हित, आर्थिक विकास

सीमा से अधिक न हों।

गुजरात के श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री कुंवरजी बावलिया ने कहा, ‘ऑक्जूपेशनल इकाई को कर्मचारियों के लिए 12 (ओएसएच) कोड का मुख्य उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ कंप्लायंस को प्रोत्साहन देना है। कोड में सप्ताह में अधिकतम 48 घंटे के कामकाज का प्रावधान है, लेकिन उपयुक्त सरकार को फैक्ट्रियों के संदर्भ में छूट देने का अधिकार भी दिया गया है। गुजरात सरकार ने राज्य के व्यापक सार्वजनिक हित, आर्थिक विकास

और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए इस प्रावधान का उपयोग किया है। बावलिया ने स्पष्टता करते हुए जोड़ा, ‘किसी भी औद्योगिक इकाई को कर्मचारियों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट रखने के लिए सरकार की पूर्वानुमति लेना अनिवार्य है। मंजूरी के बिना कोई भी औद्योगिक समूह कर्मचारियों से 12 घंटे की शिफ्ट नहीं करा सकेगा। इस प्रकार का प्रावधान निश्चित उद्योगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। गुजरात भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपना नेतृत्व

अधिक मजबूत करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे समय में यह मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वैश्विक टेक्नोलॉजी तथा मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में अग्रसर बनाने के विजन में सेमीकंडक्टर को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में स्थान दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश का सबसे आकर्षक निवेश केंद्र बना है, जहां फैब्रिकेशन, असेंबली, पैकेजिंग, टेस्टिंग और मैयूथुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निरंतर निवेश हो रहा है।

50 रुपये से शुरू होती है शॉपिंग! देश के 10स्ट्रीट मार्केट जहां बेहद सस्ते दामों में मिलते हैं ट्रेंडी कपड़े और फैशन आइटम



त्योहारों का मौसम आ चुका है और शॉपिंग की तैयारी भी शुरू हो चुकी है! अगर आप कम बजट में ट्रेंडी कपड़े, ट्रेंडेशनल ड्रेसेस और स्टाइल का तड़का चाहते हैं, तो भारत के ये 10 मशहूर स्ट्रीट मार्केट्स आपके लिए परफेक्ट हैं. सरोजिनी नगर से लेकर चांदनी चौक और कोलाबा तक, जानिए देश के उन 10 सबसे सस्ते बाजारों के बारे में जहाँ शॉपिंग 50 रुपये से शुरू हो सकती है.

त्योहारों का मौसम आ चुका है. इसके साथ ही बाजारों में रौनक और खरीदारी की

हलचल भी बढ़ गई है. त्योहारों और शादियों के इस सीजन में हर कोई नए कपड़े, ट्रेंडी आउटफिट्स और ट्रेंडेशनल फैशन आइटम खरीदना चाहता है. हालाँकि, बड़े ब्रांड्स और बड़े-बड़े शोरूम का रुख करने पर बजट अक्सर बिगड़ जाता है. अगर आप भी बिना जेब खाली किए अपने वाइरोब को नया और स्टाइलिश लुक देना चाहते हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं है. भारत के अलग-अलग शहरों में ऐसे कई मशहूर और किफायती स्ट्रीट मार्केट्स मौजूद हैं, जहां 50 से 100 रुपये से

शॉपिंग की शुरुआत हो जाती है. आइए जानते हैं देश के 10 ऐसे सस्ते और प्रसिद्ध स्ट्रीट मार्केट्स के बारे में, जहां आपको बजट-फ्रेंडली दामों में आपकी पसंद की हर चीज मिल जाएगी:

भारत के अलग-अलग शहरों में ऐसे कई मशहूर और किफायती स्ट्रीट मार्केट्स मौजूद हैं, जहां 50 से 100 रुपये से शॉपिंग की शुरुआत हो जाती है. कपड़ों और फैशन के लिए सबसे सस्?ते और फेमस र?ट्रीट मार्केट-

सरोजिनी नगर मार्केट, दिल्ली- दक्षिण दिल्ली में स्थित सरोजिनी नगर मार्केट को अगर फैशन का गढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा. यहाँ वेस्टर्न ड्रेसेस, ट्रेंडी टॉप्स, फुटवियर, बैग्स और होम डेकोर का विशाल कलेक्शन मिलता है. एक्सपोर्ट-सरप्लस कपड़ों के लिए मशहूर इस मार्केट में कपड़ों की शुरुआत मात्र 50 से 100 रुपये से हो जाती है. थोड़ा ध्यान से तलाशने पर यहाँ महंगे इंटरनेशनल ब्रांड्स के कपड़े भी मामूली दामों पर मिल जाते हैं.

चांदनी चौक, दिल्ली- पुरानी दिल्ली की तंग गलियों में बसा चांदनी चौक पारंपरिक खरीदारी का केंद्र है. अगर आप त्योहारों या शादी-ब्याह के लिए भारी साड़ियां, डिजाइनर लहंगे, एथनिक वियर या ज्वेलरी ढूँढ रहे हैं, तो यह जगह सबसे बेस्ट है. यहाँ होलसेल रेट पर सामान मिलता है. शॉपिंग के साथ-साथ यहाँ की 'परंटे वाली गली' के स्वादिष्ट पकवान आपकी थकावट दूर कर देंगे.

न्यू मार्केट, कोलकाता- वर्ष 1874 से चला आ रहा कोलकाता का न्यू मार्केट शहर के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शॉपिंग हब में से एक है. 2,000 से ज्यादा स्टॉलों वाले इस बाजार में बंगाली कॉटन व सिल्क साड़ियां, आर्टिफिशियल और गोल्ड ज्वेलरी, फुटवियर और बंगाली मिठाइयां बेहद वाजिब दामों में मिलती हैं.

लाड बाजार, हैदराबाद- हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित लाड बाजार अपने रंग-बिरंगी और चमकीली लाख की चूड़ियों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है।

बेंबू ट्री को लंबे समय तक हरा-भरा रखने के लिए, जानिये कैसे करें उसकी उचित देखभाल



बेंबू ट्री की देखभाल के लिए सही स्थान, पानी, मिट्टी, खाद और तापमान का ध्यान रखें. सूखी पत्तियों को हटाए और कीट नियंत्रण करें. इन तरीकों से आप अपने इस खास ट्री को हरा-भरा रख सकते हैं.

बेंबू ट्री, जिसे आमतौर पर बांस का पौधा कहा जाता है, घर, बगीचे और कार्यालय की सजावट के लिए बहुत लोकप्रिय है. यह न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है. यदि इसकी उचित देखभाल की जाए तो यह लंबे समय तक हरा-भरा और स्वस्थ रहता है.

1. सही स्थान का चयन बेंबू पौधे को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिले, लेकिन सीधे तेज धूप न पड़े. अत्यधिक धूप से इसकी पत्तियां

पीली पड़ सकती हैं और सूखने लगती हैं. घर के अंदर इसे खिड़की के पास रखना सबसे उपयुक्त रहता है. यदि पौधा बाहर लगाया गया है, तो आंशिक छाया वाली जगह चुनें.

2. पानी देने की सही विधि बेंबू को नियमित नमी पसंद होती है, लेकिन अधिक पानी इसकी जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है. गमले की मिट्टी को हल्का नम रखें. गर्मियों में सप्ताह में 2 से 3 बार पानी देना पर्याप्त होता है, जबकि सर्दियों में पानी की मात्रा कम कर दें. यदि आपका बेंबू पानी वाले पात्र में लगा है, तो पानी को हर 7 से 10 दिन में बदलना चाहिए ताकि बैक्टीरिया न पनपें.

3. उपयुक्त मिट्टी बेंबू के लिए अच्छी जल

निकासी वाली उपजाऊ मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है. मिट्टी में गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिलाने से पौधे को पर्याप्त पोषण मिलता है. पानी का ठहराव जड़ों को सड़ा सकता है, इसलिए गमले में जल निकासी के छेद अवश्य होने चाहिए.

4. खाद और पोषण बेंबू की तेज वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खाद देना लाभदायक है. हर 2 से 3 महीने में कम्पोस्ट या वर्मीकम्पोस्ट डालें. यदि पौधा घर के अंदर है तो बहुत अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न करें, क्योंकि इससे जड़ें प्रभावित हो सकती हैं.

5. तापमान और आर्द्रता बेंबू सामान्यतः 18 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में अच्छी तरह बढ़ता है. अत्यधिक ठंड या पाला इसके लिए हानिकारक हो सकता है. यदि वातावरण बहुत शुष्क हो, तो पत्तियों पर हल्का पानी छिड़कें ताकि आर्द्रता बनी रहे और पौधा ताजा दिखे.

6. छंटाई और सफाई समय-समय पर सूखी, पीली या क्षतिग्रस्त पत्तियों को काटते रहें. इससे पौधे की ऊर्जा नई और स्वस्थ वृद्धि में लगती है. पत्तियों पर जमी धूल को भी साफ करते रहें ताकि प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बेहतर ढंग से हो सके।

रसोई में अरबी के पत्तों का उपयोग करने के आसान तरीके, जानिये फायदे भी



अरबी के पत्ते भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं. ये विटामिन ए, सी, कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर होते हैं. इन्हें पतरा, पतोड़, पातरा या अठू वड़ी भी कहते हैं. इसे अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है. अरबी के पत्ते भारतीय रसोई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. इन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे पतरा, पतोड़, पातरा या अठू वड़ी. ये पत्ते स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर भी होते हैं. इनमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन और फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है. अरबी के पत्तों का सही तरीके से उपयोग करने पर ये भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं.

अरबी के पत्तों की सफाई और तैयारी

अरबी के पत्तों का उपयोग करने से पहले उन्हें अच्छी तरह साफ करना जरूरी है. सबसे पहले पत्तों को साफ पानी से धो लें ताकि उन पर लगी मिट्टी और धूल निकल जाए. इसके बाद उनकी मोटी डंठल को हटा दें. कुछ लोगों को अरबी के पत्तों से गले में खुजली की शिकायत हो सकती है. ऐसा इनमें मौजूद कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण होता है. इसलिए इन्हें पकाते समय इमली, नींबू, दही या अमचूर जैसी खट्टी चीजों का उपयोग करना लाभदायक माना जाता है.

पतोड़ या पातरा बनाने में उपयोग

अरबी के पत्तों का सबसे लोकप्रिय उपयोग पतोड़ या पातरा बनाने में किया जाता है. इसके लिए बेसन में लाल मिर्च, हल्दी, नमक, धनिया पाउडर और इमली का गूदा मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार किया जाता है. फिर एक-एक करके पत्तों पर यह मिश्रण लगाया जाता है।

क्या हर किसी के लिए फायदेमंद है ड्रैगन फ्रूट? इन 5 लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए!



आजकल ड्रैगन फ्रूट काफी लोकप्रिय हो गया है। इसमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह फल हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद हो. आजकल ड्रैगन फ्रूट काफी लोकप्रिय हो गया है। इसमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह फल हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद हो.

ड्रैगन फ्रूट अपने आकर्षक रंग और हल्के मीठे स्वाद की वजह से हाल ही में काफी लोकप्रिय हो गया है. फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण, इसे अक्सर हेल्दी डाइट का हिस्सा माना जाता है. हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि यह हर किसी के लिए सही है. कुछ लोगों को इसे खाने के बाद एलर्जी, पेट खराब होने या अन्य समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए अगर आपको कोई हेल्थ प्रॉब्लम है या आप रेगुलर दवाएं ले रहे हैं, तो इसे अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर या डायटीशियन से सलाह लेना सबसे अच्छा है...

1. एलर्जी वाले लोग अगर आपको पहले ड्रैगन फ्रूट खाने के बाद एलर्जी हुई है जैसे खुजली, लाल चकते, होंठ या चेहरे पर सूजन, या सांस लेने में दिक्कत तो इसे दोबारा न खाएं. अगर ऐसा कोई रिएक्शन हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं. खासकर अगर सांस लेने में दिक्कत हो या तेजी से सूजन आए.

2. संवेदनशील पाचन तंत्र ड्रैगन फ्रूट में काफी मात्रा में

फाइबर होता है. अचानक ज्यादा मात्रा में खाने से कुछ लोगों को गैस, पेट फूलना, ऐंठन या दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं. अगर आपका पाचन तंत्र संवेदनशील है, तो थोड़ी मात्रा से शुरुआत करना सबसे अच्छा है.

3. पेट खराब अगर आपको पहले से ही दस्त या पेट खराब होने की समस्या है, तो ज्यादा फाइबर वाले फल कुछ लोगों की समस्या को बढ़ा सकते हैं. ऐसे में, ड्रैगन फ्रूट कम मात्रा में खाना या कुछ समय के लिए न खाना बेहतर है.

4. ब्लड शुगर ड्रैगन फ्रूट में नेचुरल शुगर होती है. हालाँकि पूरा फल आम तौर पर संतुलित आहार का हिस्सा हो सकता है, लेकिन डायबिटीज वाले लोगों को इसकी मात्रा और अपने पूरे खान-पान का ध्यान

रखना चाहिए. अगर आप ब्लड शुगर कम करने की दवा ले रहे हैं, तो किसी भी फल को नियमित रूप से ज्यादा मात्रा में खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें.

5. किडनी की बीमारी अगर आपको किडनी की बीमारी या स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं, तो डॉक्टर की बताई डाइट का पालन करना जरूरी हो सकता है. ऐसे लोगों को अपनी खास स्थिति के आधार पर फलों की मात्रा तय करनी चाहिए. इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा मात्रा में ड्रैगन फ्रूट खाना सही नहीं है.

कितना खाना चाहिए? एक स्वस्थ व्यक्ति आम तौर पर संतुलित मात्रा में ड्रैगन फ्रूट को अपनी डाइट में शामिल कर सकता है. इसे ताजा और अच्छी तरह धोकर खाना सबसे अच्छा है।



रक्षाबंधन पर बहन के साथ इन 6 जगहों का करें ट्रिप प्लान, यात्रा बन जाएगी यादगार!

अगर आप भी इस रक्षाबंधन पर अपनी बहन को कोई अनोखा और यादगार तोहफा देना चाहते हैं, तो क्यों न उनके साथ एक शानदार ट्रिप प्लान करें? आइए जानते हैं 6 ऐसी जगहों के बारे में, जहां भाई-बहन मिलकर शानदार समय बिता सकते हैं.

रक्षाबंधन सिर्फ राखी बांधने और तोहफे देने-लेने का त्योहार नहीं है; यह भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत बनाने का एक खास मौका भी है. अगर आप इस बार अपनी बहन को कोई अनोखा और यादगार तोहफा देना चाहते हैं, तो क्यों न साथ में किसी खूबसूरत जगह घूमने का प्लान बनाएं? साथ यात्रा करने, नई जगहों को देखने और ढेर सारी तस्वीरें खींचने से इस त्योहार की यादें लंबे समय तक ताजा बनी रह सकती हैं. आइए ऐसी 6 जगहों के बारे में जानते हैं जहां भाई-बहन साथ में शानदार समय बिता सकते हैं...

उदयपुर, राजस्थान 'झीलों का शहर' उदयपुर, अपने भाई या बहन के साथ घूमने के लिए एक शानदार जगह है. आप सिटी पैलेस, पिछोला झील और शहर की खूबसूरत



गलियों को देख सकते हैं. झील, किनारे शाम बिताना या सूर्यास्त देखना इस यात्रा को और भी खास बना देता है. ऋषिकेश, उत्तराखंड अगर आपकी बहन को एडवेंचर पसंद है, तो ऋषिकेश एक बेहतरीन विकल्प है. यहां रिवर राफ्टिंग, कैफे में घूमने और गंगा किनारे शांति से पल

बिताने के मौके मिलते हैं. हालाँकि, मानसून के दौरान राफ्टिंग और नदी से जुड़ी दूसरी गतिविधियां मौसम और स्थानीय प्रशासन के नियमों पर निर्भर करती हैं. जयपुर, राजस्थान राजस्थान की राजधानी जयपुर अपने इतिहास, संस्कृति और खाने-पीने के

लिए मशहूर है. आमेर किला, हवा महल और सिटी पैलेस जैसी जगहों को देखने के साथ-साथ, आप पारंपरिक मिठाइयों और असली राजस्थानी सब्जी-व्यंजनों का मजा ले सकते हैं. भाई-बहनों के लिए यह एक मजेदार सांस्कृतिक यात्रा हो सकती है. गोवा

अगर आप दोनों को समुद्र और बीच पसंद हैं, तो गोवा एक बेहतरीन विकल्प है. आप समुद्र तट पर टहल सकते हैं, ओड स्थानीय बाजारों में घूम सकते हैं और कई तरह के कैफे देख सकते हैं. अगर मानसून के दौरान जा रहे हैं, तो पानी से जुड़ी गतिविधियां चुनते समय समुद्र के हालात का ध्यान रखें. मनाली, हिमाचल प्रदेश

पहाड़ों के नज़ारे पसंद करने वालों के लिए मनाली एक शानदार जगह है. आप मॉल रोड जा सकते हैं, ओड मनाली के कैफे देख सकते हैं और आस-पास की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं. अगर मानसून में यात्रा कर रहे हैं, तो पहाड़ी रास्तों पर जाने से पहले मौसम और सड़कों की स्थिति जरूर देख लें.

पांडिचेरी अगर आप शांत और अनोखा माहौल चाहते हैं, तो पांडिचेरी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. फ्रेंच-स्टाइल की इमारतें, समुद्र का किनारा, कैफे और शांत गलियां इसे खास बनाती हैं. यहां आप अपनी बहन के साथ साइकिलिंग और फोटोशूट जैसी गतिविधियों का मजा ले सकते हैं।



खेर ने सेशल मीडिया के जरिए शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी थी। हिस्से रेशमिया ने फिल्म का संगीत दिया, जो 12 साल बाद सूज बड़नाला के साथ फिर जुड़ा है।

दोनों की आखिरी पार्टनरशिप 2014 की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में थी जिसमें सलमान खान, सोनम कपूर, नीतिन मुकेश, खरा भास्कर, अनुपम गोिल और दूसरे एक्टर्स ने अहम रोल निभाए थे। यह फिल्म अपनी भव्यता, पारंपरिक उत्सवों और पारिवारिक मूल्यों के संदेश के लिए जानी जाती है।

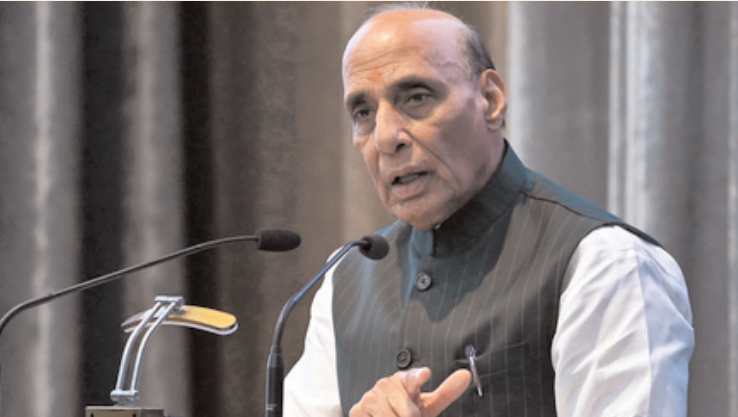
इसका टाइटल ट्रैक और अन्य गाने काफी लोकप्रिय हुए थे। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। साल 2015 की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही।

रक्षा संबंधों को मजबूत करने और ‘मेक इन इंडिया’ पहल पर भारत और जापान के बीच होगी वार्ता

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी बुधवार को भारत पहुंचे हैं। यहां अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 19 अगस्त को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के साथ बातचीत की। इसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 अगस्त को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

गौरतलब है जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की यह पहली भारत यात्रा है। दोनों नेताओं की बैठक में भारत-जापान रक्षा संबंधों को और मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के



उपायों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को और मजबूत करने तथा 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

जापान द्वारा रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से संबंधित अपने

कमान की यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल को भारतीय नौसेना की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी नौसेना कमान पहुंचने पर शिंजिरो कोइजुमी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

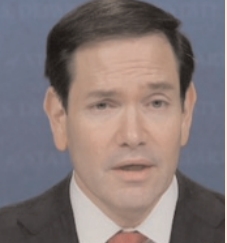
इससे पहले उन्होंने नौसेना डॉक्यार्ड में स्थित गौरव स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस चेन्नई का भी दौरा किया। यह दौरा भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और समुद्री शक्ति से जापानी प्रतिनिधिमंडल को परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला, लचीला और समृद्ध बनाने की साझा दृष्टि रखते हैं। दोनों देश समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं।

कमान की यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल को भारतीय नौसेना की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी नौसेना कमान पहुंचने पर शिंजिरो कोइजुमी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने नौसेना डॉक्यार्ड में स्थित गौरव स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस चेन्नई का भी दौरा किया। यह दौरा भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और समुद्री शक्ति से जापानी प्रतिनिधिमंडल को परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला, लचीला और समृद्ध बनाने की साझा दृष्टि रखते हैं। दोनों देश समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में लगातार अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो और यूएई के सुरक्षा प्रमुख की फोन पर बातचीत

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात ने क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अपने राजनयिक तालमेल को मजबूत किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनुन बिन जायद अल नाहयान के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई। हालांकि विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने ईरान, लेबानान और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता टोमी पिगॉट द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने वाशिंगटन और अबू धाबी के बीच निरंतर समन्वय पर भी बात की। बातचीत में सबसे अहम मुद्दा ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों की गतिविधियां रहें। बयान के मुताबिक, दोनों देशों ने ईरान और उसके आतंकी सहयोगियों को लगातार हो रहे हमलों के लिए जवाबदेह उद्धारने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किन हमलों की बात हो रही है और अमेरिका-यूएई मिलकर क्या कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। रुबियो ने होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह मुद्दा क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति होती है।

नॉन न्यूक्लियर पॉलिसी को लेकर पीएम कार्यालय ने गठबंधन के साथी को दिया सुझाव

विश्व केसरी■



टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जापान इनोवेशन पार्टी (जेआईपी) से देश के लंबे समय से चले आ रहे नॉन-न्यूक्लियर (गैर-परमाणु) सिद्धांतों पर फिर से सोचने के लिए 'एक कदम और आगे बढ़ने' को कहा है। जापान के तीन नॉन-न्यूक्लियर सिद्धांतों का मतलब है 'देश में न्यूक्लियर हथियार न रखना, न बनाना और न लाने की इजाजत देना।' इस साल जून में, सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) गठबंधन के सबसे छोटे (संख्या के आधार पर) साथी जेआईपी ने देश के तीन खास सिक्वोरिटी डॉक्यूमेंट्स में बदलाव करने के लिए प्रधानमंत्री साने ताकाइची को एक प्रस्ताव दिया था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में जापान में न्यूक्लियर हथियार न लाने की इजाजत देने के सिद्धांत का 'यथार्थवादी समीक्षा' करने की बात कही गई थी। मेनिजी शिबुन की एक रिपोर्ट में जेआईपी के एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'एलडीपी पर हर तरह के बोझ हैं, और कुछ बातें ऐसी हैं जो वह खुद नहीं कह पा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि हम चाहते हैं कि आप एक कदम और आगे बढ़ें।' प्रस्ताव में कहा गया कि अमेरिका के 'एक्सटेंडेड न्यूक्लियर डिटेरेंस' यानी विस्तारित परमाणु सुरक्षा कवच का असर बढ़ाने के लिए जापान को अमेरिका से सलाह-मशविरा करना चाहिए और जरूरी कदम उठाने चाहिए। यह भी पता चला कि प्रस्ताव पेश करने से पहले, जेआईपी के कई वरिष्ठ जनों, जिनमें सह प्रतिनिधि फुमिताके फुजिता भी शामिल थे।

दूसरों की मदद करना पहले से अधिक खतरनाक, हमें मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए खड़े होने की जरूरत : एंटोनियो गुटेरेस

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। पूरा विश्व बुधवार को 'विश्व मानवतावादी दिवस' मना रहा है। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए खड़े होने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानवतावादी कार्यकर्ताओं पर हमले गैर-कानूनी हैं। हमें उनके लिए खड़ा होना होगा और मानवता के लिए कदम उठाने होंगे।

यूरप महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने एक वीडियो संदेश में कहा, 'विश्व मानवतावादी दिवस पर हम उन समर्पित लोगों का सम्मान करते हैं, जो जख्मतदार, लाखों लोगों तक जीवन बचाने वाली मदद पहुंचाते हैं।'



उन्होंने कहा, 'साथ ही, हम एक भयावह स्थिति का भी सामना कर रहे हैं। दूसरों की सेवा करना पहले से कहीं अधिक खतरनाक हो गया है। पिछले तीन सालों में एक हजार से अधिक मानवतावादी कार्यकर्ताओं की जान गई है। इनमें से अधिकतर स्थानीय कर्मचारी थे, जो अपने ही समुदायों की मदद कर रहे थे।' एंटोनियो गुटेरेस ने कहा

कि अनगिनत लोग गोलीबारी, गोलाबारी, बमबारी, अपहरण या बलात्कार जैसी घटनाओं से बाल-बाल बचे। स्कूलों और अस्पतालों पर हमले हो रहे हैं, और हथियारों से लैस ड्रोन जैसे युद्ध के नए साधन नए खतरे पैदा कर रहे हैं। साथ ही, इस स्थिति से भरोसा भी कम हो रहा है। मानवतावादी कार्यों के लिए मिलने वाली फंडिंग में कटौती की जा रही है और मदद पहुंचाने के रास्तों पर रोक लगाई जा रही है। हम देखते हैं कि मदद पहुंचाने वाले काफिलों को रोका जाता है, मदद करने वाले कार्यकर्ताओं को धमकाया जाता है, गिरफ्तार किया जाता है और हिरासत में लिया जाता है।

वित्त मंत्री सीतारमण के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल चौथे आईएसएमआर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर के लिए हुआ रवाना

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण भारत और सिंगापुर के बीच आर्थिक सहयोग की और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में भाग लेने के लिए बुधवार को सिंगापुर रवाना हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, निर्मला सीतारमण एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

कर रही हैं, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल हैं। वर्ष 2022 में स्थापित भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन दोनों देशों के बीच एक उद्देश्य द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग की समीक्षा करना और साझेदारी के नए क्षेत्रों की पहचान करना है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस बार का सम्मेलन छह प्रमुख क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा



करेगा, जिनमें उन्नत विनिर्माण, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य एवं औषधि, कौशल विकास और सतत विकास शामिल हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई

ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उभरते अवसरों पर भी चर्चा की जाएगी। आईएसएमआर दोनों देशों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का आकलन कर सकते हैं और आर्थिक भागीदारी को और गहरा करने के उपायों पर विचार कर सकते हैं। भारत और सिंगापुर के बीच निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, तकनीकी सहयोग, वित्तीय सेवाओं और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में पहले से मजबूत संबंध का शीर्षक है। 'इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाया, जो कोर्ट के अधिकार क्षेत्र

एस. जयशंकर सम्मेलन से पहले ही मंगलवार को सिंगापुर पहुंच चुके थे। भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वॉंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के लिए विदेश मंत्री का सिंगापुर आगमन दोनों देशों के मजबूत संबंधों का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, आईएसएमआर भारत और सिंगापुर के बीच पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के समकक्ष बालाकृष्णन से की मुलाकात

विश्व केसरी■

सिंगापुर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने बुधवार को दोनों देशों के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' (कॉम्प्रीहेंसिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप) को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की और साथ ही मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया।

बैठक के बाद, विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, 'सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मिलकर खुशी हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर उनकी राय भी मेरे लिए महत्वपूर्ण है। गुरुवार को होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री-स्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) के दौरान उनके साथ और बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।'



विदेश मंत्री जयशंकर और बालाकृष्णन ने सिंगापुर में भारत के उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स (दूतावास परिसर) की आधारशिला भी रखी। विदेश मंत्री ने विश्वास जताया कि यह कार्यालय दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण का प्रतीक बनेगा और सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लिए समर्थन को मजबूत

करेगा। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ मिलकर भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी। मुझे विश्वास है कि यह कॉम्प्लेक्स भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए युग को दर्शाएगा और भारतीय समुदाय के लिए सेवाओं को और मजबूत करेगा।'

बलोच नेताओं की ट्रंप से अपील, 'बलूचिस्तान पर बम बरसाने वाले पाकिस्तान से अमेरिका मांगे जवाब'

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गुजारिश की है कि वो बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के हालिया हवाई हमले का संज्ञान लें और तुरंत दखल दें। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 30 से ज्यादा आम नागरिक मारे गए थे।

ट्रंप को लिखे अपने पत्र में चंद ने कहा, 'हम सम्मानपूर्वक आपके प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह इन गंभीर आरोपों की जांच करे और यह पता लगाए कि क्या इस कथित ऑपरेशन में अमेरिका में बने किसी विमान, हथियार, ड्रोन, टेक्नोलॉजी, पुर्जों या अन्य सैन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था।'

बलोच समुदाय की ओर से उन्होंने अमेरिकी प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि वह सुराब में हुए कथित हवाई हमलों और आम नागरिकों की मौत की जांच करे, यह पता लगाए कि क्या इसमें अमेरिका में बने सैन्य उपकरणों या टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ था, और पाकिस्तान को स्पष्ट किए गए संबंधित अमेरिकी रक्षा उपकरणों के 'एंड-यूज' (अंतिम उपयोग) और नियमों के

पालन की उचित समीक्षा करे। चंद ने अमेरिकी अधिकारियों से यह भी मांग की कि अगर अमेरिकी हथियारों के ट्रांसफर संबंधी शर्तों का उल्लंघन हुआ है तो किसी भी निष्पक्ष जांच कराए और जवाबदेही तय करें। साथ ही, अगर विश्वसनीय सबूतों से यह साबित होता है कि ऐसे उपकरणों का बलोच नागरिकों के खिलाफ गलत इस्तेमाल किया गया था, तो संबंधित अमेरिकी सैन्य सहायता या ट्रांसफर की समीक्षा की जाए। पत्र में कहा गया, 'राष्ट्रपति, बलोच बच्चे की जान भी नहीं करीगे।' रुबियो ने कहा कि 'ट्रंप प्रशासन का रुख साफ रहा है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) एक भ्रष्ट और बुरी तरह से राजनीतिक रंग में रंगी हुई अंतरराष्ट्रीय अदालत है, जिसने दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से अपने हिरासत या उन पर मुकदमा चलाने की कार्रवाई की गई, जिनकी सरकारों ने आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को मंजूरी नहीं दी है।' स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, ये प्रतिबंध एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14203 की धारा 1(ए)(2)(ए) के तहत लगाए गए हैं। इस ऑर्डर का शीर्षक है 'इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाया।' इस घोषणा से आईसीसी

अमेरिका ने आईसीसी प्रमुख पर लगाए प्रतिबंध लगाए, व्यापक अभियान चलाने का लिया संकल्प

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिका ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के प्रेसिडेंट और एक सीनियर ट्रायल लॉयर पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इससे ट्रम्प प्रशासन का इस कोर्ट के खिलाफ अभियान और बढ़ गया है। कोर्ट के कामकाज को रोकने के लिए और कदम उठाने की धमकी भी दी गई है।

सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने कहा कि जापान की आईसीसी प्रेसिडेंट टोमोको अकाने और सेनेगल के सीनियर ट्रायल लॉयर अब्दुल्लाये सेये को एक एजीक्यूटिव ऑर्डर के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इस ऑर्डर में कोर्ट के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की अनुमति दी गई है।

रुबियो ने इन दोनों अधिकारियों पर उन देशों के अधिकारियों के खिलाफ आईसीसी की कार्रवाई में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया, जो कोर्ट के अधिकार क्षेत्र

को मान्यता नहीं देते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, 'ये लोग आईसीसी की उन कोशिशों में सीधे तौर पर शामिल रहे हैं, जिनमें उन अधिकारियों की जांच, गिरफ्तारी, हिरासत या उन पर मुकदमा चलाने की कार्रवाई की गई, जिनकी सरकारों ने आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को मंजूरी नहीं दी है।' स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, ये प्रतिबंध एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14203 की धारा 1(ए)(2)(ए) के तहत लगाए गए हैं। इस ऑर्डर का शीर्षक है 'इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाया।' इस घोषणा से आईसीसी के साथ वाशिंगटन के टकराव में तेजी आई है। प्रशासन ने इस ट्रिब्यूनल को अमेरिका की संप्रभुता के लिए खतरा बताया है और दूसरे देशों से अपना आर्थिक और राजनीतिक समर्थन वापस लेने की अपील की है। रुबियो ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन का रुख साफ रहा है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) एक भ्रष्ट और बुरी तरह से राजनीतिक रंग में रंगी हुई अंतरराष्ट्रीय अदालत है, जिसने दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से अपने हिरासत या उन पर मुकदमा चलाने की कार्रवाई की गई, जिनकी सरकारों ने आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को मंजूरी नहीं दी है।' स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, ये प्रतिबंध एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14203 की धारा 1(ए)(2)(ए) के तहत लगाए गए हैं। इस ऑर्डर का शीर्षक है 'इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाया।' इस घोषणा से आईसीसी

कलेक्टर के निर्देश बेअसर, सड़कों पर मवेशियों का कब्जा

मवेशियों की झुंड से राहगीरों को दुर्घटना की आशंका

विश्व केसरी ■
कवर्धा (प्रवीण गुप्ता)। कबीरधाम जिले में प्रशासनिक निर्देशों के पालन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा सड़कों पर आबावा मवेशियों की समस्या को नियंत्रित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद जिले के प्रमुख मार्गों पर हालात सुधरते नजर नहीं आ रहे हैं। मवेशियों के झुंड खुलेआम सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

ताजा मामला राजनांदगांव रोड पर मैनपुरी के करीब का है, जहां मवेशियों का झुंड सड़क पर ही डेरा जमाए नजर आया। सड़क पर बेखौफ घूमते पशुओं को देखकर ऐसा लगता है कि मानो उन्होंने सड़क को ही अपना आशियाना



बना लिया हो। सवाल यह है कि जब कलेक्टर के निर्देश जारी हो चुके हैं तो जिम्मेदार विभाग उन निर्देशों को जमीन पर उतारने में आखिर नाकाम क्यों हैं।

कुछ दिन पूर्व भागुटोला के पास सड़क दुर्घटना में कुछ मवेशियों की मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया था। घटना से नाराज स्थानीय नागरिकों ने करीब

पांच घंटे तक चक्काजाम किया था। इसके चलते आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उस घटना के बाद प्रशासन से उम्मीद थी कि सड़कों पर मवेशियों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, लेकिन ताजा तस्वीरें व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं।

आदेश जारी होते हैं, लेकिन पालन कौन करवाएगा
मवेशियों के सड़कों पर खुलेआम घूमने का मामला कोई नया नहीं है। बार-बार घटनाएं सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अमला प्रभावी कार्रवाई करने में असफल दिखाई दे रहा है। यदि किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जा रहा है तो यह प्रशासनिक

व्यवस्था की गंभीर विफलता मानी जाएगी। जिले में केवल मवेशियों का मामला ही नहीं है। पूर्व में कलेक्टर द्वारा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, लेकिन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इसी तरह नगर पालिका के सामने निर्माणाधीन चौपाटी को जल्द पूरा

करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन काम की गति को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नजर नहीं आती।

कागजों में निर्देश, सड़कों पर पुरानी तस्वीर
प्रशासनिक व्यवस्था में निर्देश जारी करना अपनी जगह है, लेकिन उन निर्देशों का पालन करवाना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यदि अधिकारी आदेश जारी करते रहें और जिम्मेदार विभाग उसे अमल में न लाएं तो ऐसे निर्देश महज कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाते हैं।

कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद सड़कों पर मवेशियों की मौजूदगी यह सवाल खड़ा कर रही है कि जिम्मेदारी तय करने और निगरानी की व्यवस्था आखिर कहाँ है। अब जरूरत नए निर्देश जारी करने की नहीं, बल्कि पुराने निर्देशों के पालन की समीक्षा कर लापरवाही बरतने वालों पर जवाबदेही तय करने की है।

ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : राजस्व मंत्री वर्मा

विश्व केसरी ■
बलौदाबाजार (भुवन लाल)। ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम संस्कार और अंतिम क्रियाकर्म के दौरान ग्रामीणों को होने वाली असुविधाओं को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार एवं सिमगा विकासखंडों के 17 विभिन्न ग्रामों में 97.92 लाख रुपए (5.76 लाख रुपए प्रति ग्राम) के मुक्तिधाम में श्रेष्ठ सह प्रतीक्षालय निर्माण कार्यों को अपनी स्वीकृति दे दी है। स्वीकृत यह सभी विकास कार्य ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करेंगे।

इन ग्राम पंचायतों व गांवों को मिलेगा सीधा लाभ-राजस्व मंत्री द्वारा 5.76 लाख रुपए प्रति ग्राम अनुसार स्वीकृत सूची में सिमगा तथा बलौदाबाजार विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में मुक्तिधाम श्रेष्ठ सह प्रतीक्षालय का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें सिमगा विकासखंड के बिटकुली, बासीन (खैरवारी), धोबनीडीह (बुडगहन) एवं अमेरी (कसहीडीह) शामिल है इसी तरह बलौदाबाजार विकासखंड के ढगढनी (खैरवारीडीह), करमनडीह, मगरचबा (खैरघटा), लिमाही (गोडखपरी), भरवाडीह (पौसरी/चांपा एवं ढाबाडीह), भाटागांव-स, रसेड़ा (रसेड़ा), शुक्लाभाटा (सोनपुर), चौरटी (चौरटी एवं अचानकपुर), ढाबाडीह, अचानकपुर, झोंका तथा सेमराडीह शामिल है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास और हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है।



वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया कार्यकर्ताओं से संवाद



विश्व केसरी ■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को 'सहयोग केंद्र' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर आवेदनों पर सार्थक व समाधानकारी पहल की। सहयोग केंद्र में 100 से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान 40 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री चौधरी ने आवेदन के तत्काल निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को इन आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सचिचंदानंद उपासेने विशेष रूप से मौजूद रहे।

44 लाख की चोरी की साजिश, 22.6 किलो चांदी समेत तीन गिरफ्तार

विश्व केसरी ■
खैरागढ़ (शिल्पी विश्वास)। सराफा दुकान का शटर तोड़कर चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में साइबर सेल और थाना छुईखदान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22 किलो 600 ग्राम चांदी, 3 ग्राम सोना और घटना में प्रयुक्त होंडा एक्टिवर समेत करीब 44 लाख 75 हजार रुपये का माल बरामद किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर लेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार छुईखदान के जैन मोहल्ला निवासी शांति लाल जैन ने 14 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात 2 से 4 बजे के बीच दुकान का शटर तोड़कर 20 से 25 किलो चांदी के आभूषण चोरी किए गए। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महेंद्र साहू



तक पुलिस पहुंची। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महेंद्र दुकान पर सामान लेने गया था, जहां उसने शटर में खराबी की बात सुनी। इसी जानकारी के आधार पर उसने नागपुर जाकर अपने दो साथियों आश्वय गुरूवे और अनिकेत मेश्राम के साथ चोरी की साजिश रची।

तीनों ने सीसीटीवी के तार काटकर वारदात को अंजाम दिया और चोरी का माल नवागांव के तालाब में छिपा दिया। पुलिस ने निशानदेही पर माल बरामद कर दोनों आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी पहले चोरी और मारपीट जैसे अपराधों में शामिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल से मिले इंटर्न डॉक्टर, आंदोलन स्थगित करने का निर्णय

विश्व केसरी ■
रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टरों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की। इस दौरान इंटर्न डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा के बाद प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार पर विश्वास जताते हुए अपना आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया, जिस पर सभी ने संतोष व्यक्त किया।



स्टाइपेंड वृद्धि पर आगे बढ़ी प्रक्रिया
चर्चा में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ड्यू-रेस्ड छलीसगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव और संबंधित प्रकरण पर पहल करते हुए इंटर्न डॉक्टरों के स्ट्राइपेंड में वृद्धि से जुड़ी आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बताया गया कि इंटर्न डॉक्टरों

की मांगों पर इसी माह आवश्यक एवं सकारात्मक निर्णय लेने के लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध
स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी विषयों के प्रति संवेदनशील है और इंटर्न डॉक्टरों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महिला मंडली अघरिया समाज ने मनाया सावन महोत्सव

विश्व केसरी ■
बसना (अशोक प्रधान)। सावन मास की पावन और भक्तिमय बेला में बसना स्थित गायत्री माता मंदिर में सावन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन अघरिया समाज की महिलाओं के विशेष सहयोग एवं सहभागिता से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक रहा। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा, आस्था और विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से मंदिर परिसर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। कार्यक्रम में महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय अघरिया समाज की अध्यक्ष उषा पटेल ने की। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल तथा जनापद पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में संपन्न हुई। उन्होंने पूरे लक्ष्मी पटेल सहित आयोजन की संयोजक एवं समाज सेविका अनिता



चौधरी मंच में उपस्थिति रही। अतिथियों ने सावन महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अघरिया महिला मंडल की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी एकता, संस्कार और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना की संपूर्ण जिम्मेदारी अघरिया महिला मंडल की संयोजक अनीता चौधरी के नेतृत्व में संपन्न हुई। उन्होंने पूरे आयोजन को विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न

कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रुद्राभिषेक में अनेक श्रद्धालुओं ने यजमान के रूप में सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इनमें सीमा एवं वीरेंद्र चौधरी, सुरुज एवं सुशील नायक, अनिता एवं अविनाश पटेल, सुशीला एवं वासुदेव नायक, जमुना एवं कामता पटेल, कमल एवं रोहित दास नायक, मीना एवं अशोक नायक, ललिता एवं शोभाराम पटेल तथा मंजू एवं दिलीप पटेल ने यजमान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सावन महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ

विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में श्रीमती ललिता पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं पार्थिव शिवलिंग निर्माण प्रतियोगिता में दीपिका पटेल विजयी रहीं। प्रतिभागियों की कलात्मकता, धार्मिक भावना और रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया।

इसी क्रम में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में सुरेंद्री पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से सावन के उल्लास, भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जीवंत कर दिया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि आज महिलाएं धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

महान संत कवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई

विश्व केसरी ■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शासकीय प्राथमिक शाला केवतरा में को महाकवि संत गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती मनाई गई। उनके जीवन से बच्चों को परिचित कराया गया। साथ ही साथ बाल्य काल से लेकर महाकाव्य रामचरितमानस तक की रचना की कथा बच्चों को बताई गई।

उनके प्रमुख दोहों का वाचन शिक्षकों द्वारा किया गया और एक सरस महाकाव्य रामायण जो आज दुनिया में सरस एवं सरल जन जन में लोकप्रिय और सहज उपलब्ध महाकाव्य है, उस महाकाव्य की रचना का रहस्य और उसके चौपाइयों के रहस्य को बच्चों को समझाया एवं बताया गया। शिक्षिका वर्षा जैन द्वारा आकर्षक चित्र बनाया गया एवम सभी शिक्षकों में अपने विचार व्यक्त किए तथा मानस की कुछ चौपाई के अर्थ बच्चों को बताया गए। जैसे मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहु सुदसरथ अजिर



बिहारी। इस चौपाई का अर्थ बताते हुई शिक्षिका वर्षा जैन कहती हैं कि जो मंगल (कल्याण) करने वाले हैं और अमंगल (दुख) को दूर करने वाले हैं, वे दशरथ जी के आंगन में विहार करने वाले श्रीराम मुझ पर कृपा करें। बिनु सत्संग विवेक न

होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई। इनका अर्थ बताते हुए शिक्षिका वर्षा जैन कहती हैं कि अच्छे लोगों (संतों) के सत्संग के बिना ज्ञान और विवेक नहीं मिलता। और यह सत्संग भगवान श्रीराम की कृपा के बिना आसानी से नहीं मिलता। तथा

बयरु न कर काहू सन कोई, रामप्रताप विषमता खोई। श्रीराम के प्रभाव से जीवों की विषमता (भेदभाव और शत्रुता) मिट जाती है, और किसी से किसी का बैर नहीं रहता। इस प्रकार बच्चों को रामायण के दोहों से परिचित कराया गया।

स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक

विश्व केसरी ■
बलौदाबाजार (भुवन लाल)। 'स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ' अभियान को लेकर जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय, बलौदाबाजार में ब्लॉक स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के जिला प्रभारी सकलेन कामदार एवं जिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा धृतलहरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक का आयोजन शहर कांग्रेस कमिटी बलौदाबाजार के अध्यक्ष प्रवीण सेन के नेतृत्व में किया गया।



कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े इस अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करते हुए आम उपभोक्ताओं से सीधे संवाद किया जाएगा।

बैठक के बाद जिला प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा धृतलहरे एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन सहित कांग्रेसजनों ने वार्ड क्रमांक 15 में घर-

घर पहुंचकर नागरिकों से संपर्क किया। इस दौरान स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी साझा करते हुए नागरिकों के फॉर्म भराए गए और उनकी समस्याओं एवं चिंताओं को

सुना गया। जिला प्रभारी सकलेन कामदार ने कहा कि अभियान को केवल बैठकों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि प्रत्येक वार्ड में घर-घर तक पहुंचकर आम उपभोक्ताओं से संवाद किया जाएगा। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का आह्वान किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने बताया कि शहर के सभी 21 वार्डों में अभियान को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता नागरिकों से संपर्क कर फॉर्म भरवाने के साथ आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

इस अवसर पर पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश यदु, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक साहू, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद्र केसरवानी, जिला कांग्रेस महामंत्री लखेश साहू, शहर कांग्रेस महामंत्री नीरज बांधे, मोहन साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, गोल्डी मारईया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पद्मेश्वरी साहू, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संतोष तिवारी, पार्षदगण डिगेश्वरी, रविंद्र नामदेव, सलमान शेख, सुरेश धृतलहरे, सुमन कोसले, सुर्यकांत वर्मा, पवन दास मानिकपुरी, कृष्ण टंडन, जय सिंह ठाकुर, शैलेंद्र धुव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

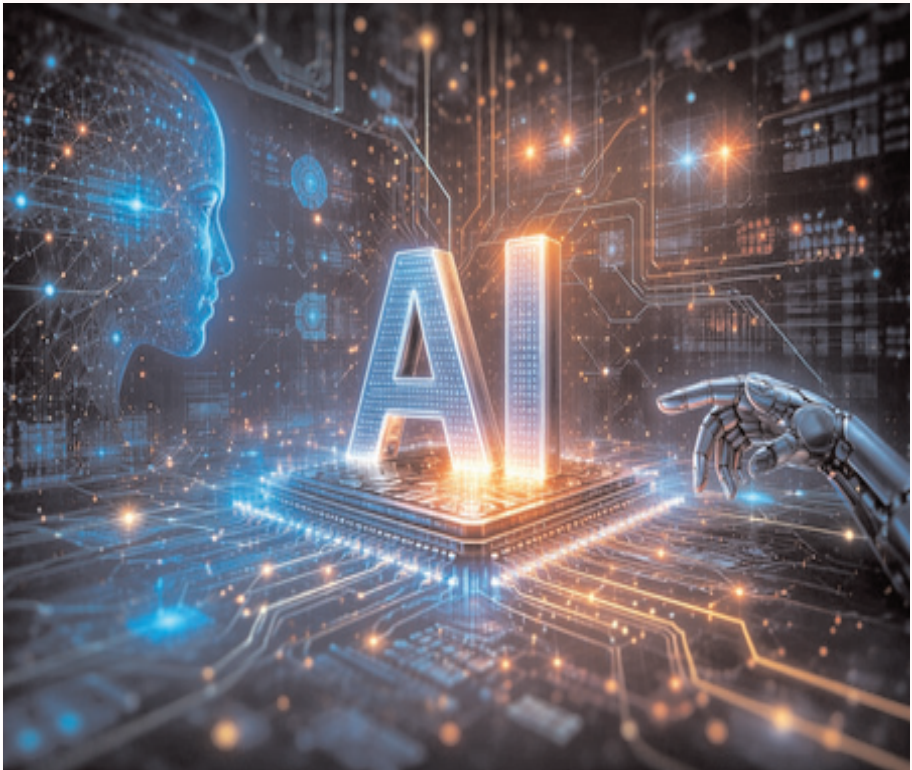
मां वीणा वीणापाणि संगीत विद्यालय में गूंजे देशभक्ति के गीत



विश्व केसरी ■
बसना (अशोक प्रधान)। बच्चों में देश के प्रति प्रेम,सांस्कृतिक मूल्यों की समझऔर राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करने हेतु मां वीणापाणि संगीत विद्यालय बस्ती सरायपाली (सरायपाली) में उत्साह के साथ देशभक्ति गीतों काआयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपा प्रब्रवलन से हुआ।संगीत छात्रों ने अपने गीतों की प्रस्तुतियों के माध्यम से शहीदों की

कुर्बानियों को याद दिलाते हुए, देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों के प्रति कृतज्ञता के भाव व्यक्त व्यक्त किए। संगीत छात्रों ने ए मेरे वतन के लोगों,दिल दिया जुगलबंदी ने समां बांध दिया, हारमोनियम और तबले की बेहतरीन का शुभाभंभ दीपा प्रब्रवलन से जुगलबंदी ने समां बांध दिया। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल देश प्रेम के रंगों में रंग गया।

एआई से प्रभावित क्षेत्रों में युवा रोजगार में भारी गिरावट, जनरेटिव एआई के आने के बाद रोजगार पर बढ़ा दबाव: बीओके



विश्व केसरी ■
सोल। सेंट्रल बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग का असर रोजगार बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। जनरेटिव एआई तकनीकों, विशेषकर चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट्स के आने के बाद एआई से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के रोजगार में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज

की गई है। बैंक ऑफ कोरिया (बीओके) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2022 से जून 2026 के बीच 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लोगों द्वारा किए जा रहे कुल रोजगारों की संख्या में 2.85 लाख की कमी आई, जिसमें सबसे बड़ी गिरावट उन क्षेत्रों में देखी गई जो एआई के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील माने जाते हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल घटे रोजगारों में से 2.68 लाख नौकरियां, यानी लगभग 94 प्रतिशत, एआई-प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित थीं, जिनमें आईटी सेवाएं, प्रकाशन, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। इसके विपरीत, 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के

रोजगार में वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि में इस आयु वर्ग के रोजगार में 2.30 लाख की बढ़ोतरी हुई, जिसमें से 1.73 लाख नौकरियां एआई प्रभावित क्षेत्रों में ही बढ़ीं। इससे संकेत मिलता है कि एआई के दौर में अनुभव और विशेषज्ञता वाले कर्मचारियों की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट ने वर्ष 2022 को अध्ययन का आधार वर्ष माना है, क्योंकि इसी वर्ष के अंत में चैटजीपीटी लॉन्च हुआ था और उसके बाद जनरेटिव एआई तकनीकों का उपयोग दुनिया भर में तेजी से बढ़ा। क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक गिरावट आईटी सेवाओं में देखी गई, जहां युवाओं का रोजगार 31.4 प्रतिशत घट गया। प्रकाशन क्षेत्र, जिसमें सॉफ्टवेयर और वेब डिजाइन से जुड़े पेशे भी शामिल हैं, वहां रोजगार में 27.4 प्रतिशत की कमी आई। इसी प्रकार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग क्षेत्र में युवाओं का रोजगार 16.6 प्रतिशत और प्रोफेशनल सर्विसेज क्षेत्र में 11.6 प्रतिशत घटा। ये वे क्षेत्र हैं जहां एआई-आधारित ऑटोमेशन और कंटेंट जनरेशन टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ा है। शिक्षा के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े भी युवाओं की चुनौतियों को उजागर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच

स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों की औसत बेरोजगारी दर 8.2 प्रतिशत थी, जबकि माध्यमिक शिक्षा या जूनियर कॉलेज स्तर तक पढ़े युवाओं की बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत थी। लेकिन 2022 के बाद यह अंतर बढ़ गया। उच्च शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत रही, जबकि कम शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं में यह 5.4 प्रतिशत रही। इस प्रकार दोनों के बीच अंतर बढ़कर 1.6 प्रतिशत अंक हो गया। बैंक ऑफ कोरिया ने कहा कि देश की लगातार घटती जनसंख्या भी युवाओं के रोजगार में बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। हालांकि एआई के आगमन ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। बीओके के शोध विभाग के शोधकर्ता ओह सैम-इल ने कहा, 'एआई युवा कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकता है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इन्हें एआई द्वारा प्रतिस्थापित भी किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि युवाओं की नौकरियों में कमी के लिए पूरी तरह एआई को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह निश्चित रूप से उस प्रवृत्ति को तेज कर रहा है जिसमें युवाओं के लिए पारंपरिक करियर सीढ़ी धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है।

पेट की चर्बी घटाने के साथ ही रीढ़ को लचीला बनाता है पश्चिमोत्तानासन



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। प्राचीन ग्रंथों में शरीर और मन की शुद्धि के लिए योग परंपरा का वर्णन मिलता है, उनमें पश्चिमोत्तानासन का विशेष स्थान है। यह आसन पूरे शरीर के पीछे वाले हिस्से यानी रीढ़, कमर और पैरों की मांसपेशियों को खींचकर लचीला बनाता है। संस्कृत में 'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान

का अर्थ खिंचाव होता है और आसन का अर्थ मुद्रा होता है। यानी यह आसन शरीर के पिछले हिस्से को गहराई से खींचता है। इस आसन में हम बैठकर आगे की ओर झुकते हैं, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी, पेट के अंग और नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है। यह आसन हठ योग की 12 मूल आसनों में गिना जाता है। उनके अनुसार, यह आसन पीठ और पैरों को अच्छ

खिंचाव देता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, पेट की चर्बी को भी कम करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन (बैठकर आगे झुकने वाला आसन) शरीर के पिछले हिस्से में तीव्र खिंचाव पैदा करता है। यह आसन पाचन अंगों को सक्रिय करता है, पेट की चर्बी घटाने में मदद करता है और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर लचीला बनता है, कुर्बलिनी ऊर्जा जागृत होने में मदद मिलती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसे डायबिटीज, कब्ज और मानसिक तनाव दूर करने के लिए लाभकारी मानते हैं। पश्चिमोत्तानासन करने का सबसे सही समय सुबह का माना गया है। अहले सुबह खाली पेट इस योगासन को करना सबसे अच्छा माना जाता है। यह शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान और तनाव मुक्त बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इस योगासन को शाम के समय भी खाने के 4-5 घंटे बाद किया जा सकता है लेकिन सुबह में इसे करना ज्यादा फायदेमंद बताया गया है। वहीं, शुरुआती क्षमता में इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करने की सलाह दी गई है। साथ ही, जिन्हें गंभीर पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या हार्निया की समस्या हो, वे इसे न करें। पेट की सर्जरी या गंभीर चोट होने पर भी इस आसन से बचें।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की

सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, ईएनएसओ से

जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए। सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे



पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है। हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सॉट को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों

में राहत के लिए हो सकते हैं, किसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं हैं। नाक बंद होने या गले में खराश जैसी परेशानी में भाप लेना कुछ लोगों को आराम दे सकता है। इसी तरह गुनगुने नमक या हल्दी वाले पानी से गरारे करने से गले की परेशानी में राहत मिल सकती है। भाप लेते समय बहुत गर्म पानी से जलने से बचें, खासकर बच्चों के मामले में। सांस और शरीर को सक्रिय

रखने के लिए योग भी मददगार हो सकता है। भुजंगासन और गोमुखासन जैसे आसनों को अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। इनके साथ नाड़ी शोशन और भ्रामरी प्राणायाम भी किए जा सकते हैं। लेकिन अगर सांस लेने में ज्यादा परेशानी, लगातार खांसी, सीने में दर्द, तेज घरघराहट या सांस लेना, हल्दी वाली दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों

रियलमी पी4एस 5जी: स्पेसिफिकेशन से अनुभव की ओर से बढ़ते भारत में शानदार डिस्प्ले बनेगा स्मार्टफोन की पहचान

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत में स्मार्टफोन खरीदने समय वर्र्णों से उपभोक्ताओं का मुख्य ध्यान कैमरा, प्रोसेसर और डिजाइन पर रहा है, लेकिन अब यह बदल रहा है। फ्लिपकार्ट और कार्टरपॉइंट की स्मार्टफोन इनसाइट्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, कंटेंट की बढ़ती खपत और ऐप्स के भारी इस्तेमाल के कारण डिस्प्ले की गुणवत्ता स्मार्टफोन खरीदने के फैसले में तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। उपभोक्ता दिन का बड़ा हिस्सा स्मार्टफोन पर बिताते हैं, जिसमें ओटीटी स्ट्रीमिंग, मोबाइल गेमिंग, सोशल मीडिया स्कॉलिंग या वीडियो कॉल शामिल हैं। ऐसे में बैटरी लाइफ और परफॉर्मेंस के साथ डिस्प्ले भी स्मार्टफोन के कुल अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। खास बात यह है कि डिस्प्ले को अब एक अलग फीचर के तौर पर नहीं, बल्कि ओवरऑल परफॉर्मेंस के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। करीब 45 प्रतिशत उपभोक्ता चिपसेट को बेहतर डिस्प्ले फीचर्स, जैसे बेहतर रंग सटीकता और बेहद



तेज टच रिस्पॉन्स, से जोड़ते हैं। यह दिखाता है कि प्रोसेसिंग पावर और विजुअल व इंटरैक्टिव अनुभव की गुणवत्ता के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहा है। इसके चलते खरीदार अब रिजॉल्यूशन, रिफ्रेश रेट, ब्राइटनेस और कलर एक्जूरेंसी जैसी चीजों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, बजाय इसके कि डिस्प्ले को एक सामान्य फीचर मान लिया जाए। यह भारतीय

उपभोक्ताओं के बीच एक बड़े बदलाव को दर्शाता है, जहां अपग्रेड का आधार सिर्फ स्पेसिफिकेशंस नहीं, बल्कि अनुभव बनता जा रहा है। अब परफॉर्मेंस का आकलन इस आधार पर भी हो रहा है कि स्मार्टफोन के अलग-अलग हार्डवेयर कितनी सहजता से एक साथ काम करते हैं। गेमिंग, स्ट्रीमिंग और रोजमर्रा के स्मार्टफोन इस्तेमाल के लिए

प्राथमिक इंटरफेस होने के कारण डिस्प्ले अब पूरे परफॉर्मेंस अनुभव का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। यह अनुभव-केंद्रित बदलाव रियलमी पी सीरीज के विकास में भी दिखाई देता है। यह सीरीज भारत के युवा और ऑनलाइन-केंद्रित स्मार्टफोन खरीदारों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो प्रीमियम लुक और स्मूथ रोजमर्रा की परफॉर्मेंस चाहते हैं, लेकिन ऐसे की अच्छी बैल्यू भी चाहते हैं। ऐसे बाजार में जहां कीमत और ऑफर्स हर महीने यह बदल सकते हैं कि क्या चीज 'किफायती' महसूस होती है, रियलमी पी सीरीज ऐसे डिस्प्ले-केंद्रित अनुभव पर जोर देती है जिसे उपयोगकर्ता रोजमर्रा के इस्तेमाल में महसूस कर सकें, वो भी बिना बजट से ज्यादा खर्च किए। रियलमी पी1 सीरीज ने साबित किया कि कीमत को बहुत ज्यादा बढ़ाए बिना परफॉर्मेंस और डिजाइन को साथ लाया जा सकता है। इसके बाद पी2 सीरीज ने बेहतर डिस्प्ले और बिल्ड क्वालिटी से जुड़े अपग्रेड के साथ स्तर को और ऊंचा किया।

डीआरसी में लगातार बढ़ रहा इबोला प्रकोप, पीड़ितों की संख्या 5,000 के पार

विश्व केसरी ■
किंशासा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला का प्रकोप अभी भी अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) बना हुआ है, क्योंकि इस महामारी पीड़ितों की संख्या 5,000 से ज्यादा हो गई है, नए इलाकों में पैर पसार रहा है और अधिकारियों को प्रायोगिक वैक्सीन और इलाज अपनाने के लिए मजबूर कर रही है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयेसेस ने एक आपातकालीन समिति की

बैठक में कहा कि यह प्रकोप अब तक का दूसरा सबसे बड़ा इबोला प्रकोप है और यह पहले के सभी प्रकोपों ? 7की तुलना में तेजी से फैल रहा है। डब्ल्यूएचओ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक छह प्रांतों के 55 हेल्थ जोन में 5,021 लोगों के इबोला होने की पुष्टि हुई और 2,378 की मौत हो गई। यहां मृत्यु दर 47.4 प्रतिशत रहा। बंदिबुग्यो इबोला वायरस के कारण फैली यह महामारी पूर्वी डीआरसी में 2018-2020 के इबोला प्रकोप से भी आगे निकल गई है, जो पहले देश का सबसे घातक प्रकोप था। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन

(अफ्रीका सीडीसी) ने सोमवार को कहा कि मौजूदा प्रकोप में हर 30 मिनट में लगभग एक जुकाम समझ लेते हैं और अपनी मर्जी से दवाएं लेने लगते हैं। यही छोटी-छोटी गलतियां कई बार बीमारी को बढ़ा सकती हैं। फ्लू होने पर शरीर को वायरस से लड़ने के लिए आराम, पानी और अच्छे खाने की जरूरत होती है। ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। फ्लू में अचानक बुखार आ सकता है। इसके साथ खांसी, गले

होना, माहमारी हमारे नियंत्रण से अभी बहुत दूर है। इसे बहुत बढ़त मिल गई थी, और हम अभी भी इसके पीछे भाग रहे हैं।' सिंदुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएचओ की एक स्टेट्स रिपोर्ट में बताया गया है।

अगर बाल रूखे और बेजान हैं, तो लगाएं मेथी के दाने से बना हेयर मास्क, हफ्ते भर में दिखेगा फर्क



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। मेथी के दाने हमारी रसोई में बहुत आम हैं। इनका इस्तेमाल सब्जियों, दाल और दूसरी चीजों में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन यही छोटे-छोटे दाने बालों को देखभाल में भी काम आ सकते हैं। खासकर जब बाल

रूखे, बेजान या कमजोर नजर आने लगें, तब मेथी से बना लेप एक समाधान हो सकता है। इसमें कुछ ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों और सिर की त्वचा के लिए मददगार होते हैं। मेथी में प्रोटीन बेहतर मात्रा में पाया जाता है। इसके बीजों में

प्रोटीन और कई अमीनो एसिड पाए जाते हैं। बालों का मुख्य ढांचा ही केराटिन नाम के प्रोटीन से बना होता है। इसलिए बालों की अच्छी सेहत के लिए शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिलना जरूरी है। मेथी खाने से मिलने वाला प्रोटीन शरीर के पोषण में मदद करता है। वहीं, मेथी का लेप बालों पर लगाने से बालों की सतह मुलायम और बेहतर महसूस होती है। मेथी की एक खासियत यह भी है कि इसमें गैलेक्टोमैनन नाम का घुलनशील रेशा भी होता है। पानी में भिगोने के बाद मेथी के दाने चिपचिपे हो जाते हैं। यही चिपचिपापन मेथी के पेस्ट को बालों पर एक हल्की परत बनाने में मदद करता है। यह परत बालों में नमी को बनाए रखने में मदद कर

सकती है। इसी वजह से मेथी का इस्तेमाल करने के बाद रूखे बाल ज्यादा मुलायम लगते हैं। मेथी में आयरन, कैल्शियम, विटामिन और निकोटिनिक एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आयरन शरीर के लिए जरूरी है और इसकी कमी होने पर बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। लेकिन सिर पर मेथी का पेस्ट लगाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी नहीं होगी। इसके लिए डाइट में आयरन से भरपूर चीजों को शामिल करना पड़ेगा। अब बात करते हैं इसे इस्तेमाल करने के तरीके की। मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखना सबसे आसान तरीका है। सुबह पानी निकालकर दानों को पीस लें। इससे गाढ़ा और चिपचिपा लेप तैयार हो जाएगा।

फ्लू को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी, बीमारी में भूलकर भी न करें ये गलतियां

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मौसम बदलने के साथ सर्दी, खांसी और बुखार जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है फ्लू। यह एक तरह का वायरस से होने वाला संक्रमण है, जो नाक और गले के साथ-साथ फेफड़ों पर भी असर डालता है। कई बार फ्लू के लक्षण इतने सामान्य होते हैं कि लोग इसे मामूली सर्दी-जुकाम समझ लेते हैं और अपनी मर्जी से दवाएं लेने लगते हैं। यही छोटी-छोटी गलतियां कई बार बीमारी को बढ़ा सकती हैं। फ्लू होने पर शरीर को वायरस से लड़ने के लिए आराम, पानी और अच्छे खाने की जरूरत होती है। ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। फ्लू में अचानक बुखार आ सकता है। इसके साथ खांसी, गले



में दर्द, सिरदर्द, शरीर में दर्द और बहुत ज्यादा थकान महसूस हो सकती है। कुछ लोगों को भूख भी कम लगती है। आम तौर पर कई लोग घर पर आराम करने से ठीक हो जाते हैं, लेकिन हर व्यक्ति की हालत एक जैसी नहीं होती। अगर

बुखार बहुत ज्यादा हो, सांस लेने में परेशानी हो, सीने में दर्द हो, बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस हो या तबीयत लगातार बिगड़ती जाए तो डॉक्टर से सलाह लेनी जरूरी है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी

बीमारी से परेशान लोगों को फ्लू में खास सावधानी रखनी चाहिए। फ्लू के दौरान बुखार आने और पसीना निकलने से शरीर में पानी कम हो सकता है। बीमारी में कई लोगों को पानी पीने का मन कम करता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी हो सकती है और कमजोरी ज्यादा महसूस हो सकती है। इसलिए दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। सूप, नारियल पानी और दूसरे तरल पदार्थ भी लिए जा सकते हैं। अगर उल्टी या दस्त भी हो रहे हैं तो शरीर में पानी और नमक की कमी जल्दी हो सकती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। चाय और कॉफी को पानी का विकल्प न बनाएं। शरीर को सबसे ज्यादा जरूरत सामान्य पानी और दूसरे सही तरल पदार्थों की होती है।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप: ध्रुव-तनिषा ने मिक्स्ट डबल्स राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिक्स्ट डबल्स जोड़ी ने बुधवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने कैपेन की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में मकाओ के लियोंग झोओ चोंग और एनजी वेंग ची को हराया। 15वीं सीड वाली भारतीय जोड़ी ने इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 21-11, 21-11 से जीत दर्ज की। ध्रुव और तनिषा मिक्स्ट डबल्स इवेंट में भारत के बचे हुए प्रतिनिधि हैं। इससे पहले रोहन कपूर और रथविका शिवानी गड्डे की जोड़ी को कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ 22-20, 19-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा था।

आशिश सूर्या और अमृता प्रमथेश भी तुर्की के एमरे सोनमेज और यासेमन बेकटास के खिलाफ करीबी मुकाबले के बाद 21-16, 29-30, 22-24 से हारकर बाहर हो गए।

ध्रुव और तनीषा, जो अपनी दूसरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप खेल रहे हैं, अब तीसरे राउंड में भारत की मिक्स्ट डबल्स उम्मीदों को आगे बढ़ाएंगे। यह जोड़ी पेरिस में 2025 बीडब्ल्यूएफ



वर्ल्ड चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। तीसरे राउंड में ध्रुव और तनीषा का मुकाबला छठी सीड वाली चीनी जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से होगा।

तनीषा और ध्रुव इससे पहले 2023 ओडिशा मास्टर्स गोल्ड जीत चुके हैं और 2024 सैयद मोदी

इंटरनेशनल में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। वे मई 2025 में वर्ल्ड नंबर 15 पर भी रहे। यह मिक्स्ट डबल्स जोड़ी के तीर पर उनकी सबसे ऊंची रैंकिंग है।

बाद में, महिला एकल में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु कनाडा की वेन यू झांग से खेलेंगी, जबकि उन्नति हुड्डा महिला एकल ड्रा में कनाडा

की 13वीं सीड मिशेल ली से भिड़ेंगी।

लक्ष्य सेन पुरुष एकल राउंड ऑफ 32 में अमेरिका के गैरेट टेन से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का अगला मुकाबला श्रीलंका के डुमिंडू अवेविक्रमा से होगा।

पुरुष डबल्स जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्माकारुन

का सामना कोरिया के 15वीं सीड कांग मिन ह्युक और की डांग जू से होगा।

इससे पहले, भारत की शीर्ष महिला डबल्स जोड़ी गायत्री गोपीचंद और टीसा जॉली ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 16वीं सीड एलिसन ली और लारिन लैम को हराया।

शोरिफुल इस्लाम फिट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने को तैयार



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीतना चाहते हैं और इस वजह से प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लिए हमेशा तैयार हैं।

शोरिफुल इस्लाम हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए पहले टेस्ट में बांग्लादेश की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। बांग्लादेश ने यह टेस्ट 9 विकेट से जीता था। ड डेली स्टार के हवाले से, शोरिफुल ने बुधवार को मैके में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं हमेशा तैयार रहता हूँ। देखते हैं मेरी

किस्मत में क्या है। उम्मीद है कि मैं मैच खेल पाऊंगा। शोरिफुल को बांग्लादेश के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुना गया। पहले टेस्ट के लिए वह फिट नहीं थे। दूसरे मैच के लिए उन्हें फिट घोषित किया गया है।

बांग्लादेश को डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के समय टीम के साथ मौजूद शोरिफुल ने कहा कि वह अपने टीम के साथियों के साथ यह पल साझा करके बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी जीत का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ। कम से कम मैं तस्वीरों में तो आ गया (हंसे हुए), भले ही मैं टीम में नहीं था।

भारत बनाम पाकिस्तान : इन 5 खिलाड़ियों पर होगी हॉकी इंडिया का ‘वर्चस्व’ बनाए रखने की जिम्मेदारी

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में बुधवार को भारतीय पुरुष टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला एम्स्टेलवीन (नीदरलैंड्स) के वैगन स्टेडियम में खेला जाना है। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ साल 2010 में किए गए प्रदर्शन को दोहराने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आएए आपको उन पांच भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो इस मुकाबले में पाकिस्तान के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकते हैं।

भारत की विश्व कप में पाकिस्तान से आखिरी भिड़ंत साल 2010 में हुई थी, जहां टीम इंडिया ने 4-1 से बाजी मारी थी। बुधवार को एक बार फिर भारतीय टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच कुल 183 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से भारत को 82 मैचों में जीत मिली है, जबकि पाकिस्तान ने 69 मैच जीते हैं। भारत पाकिस्तान के खिलाफ पिछले 10 साल से अजेय रहा है।



टीम को आखिरी हार 2016 में मिली थी।

हरमनप्रीत सिंह: भारतीय टीम के कप्तान और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह इस मुकाबले में पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द होंगे। हरमनप्रीत टूर्नामेंट में अब तक दो गोल कर चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ साल 2013 से भारत की ओर से सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड भी हरमनप्रीत के नाम ही है। अपनी आक्रामक कप्तानी और दमदार प्रदर्शन के बूते हरमनप्रीत अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की काबिलियत रखते हैं। मनदीप सिंह: भारत के स्टार

फॉरवर्ड खिलाड़ी मनदीप सिंह से भी टीम को इस महामुकाबले में काफी उम्मीदें होंगी। मनदीप भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। इसके साथ ही वह भारत के अटैक को लीड करते हुए गोल करने के मौके बनाने में भी माहिर हैं।

मनप्रीत सिंह: भारत के लिए हॉकी में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड रखने वाले मनप्रीत सिंह को इस टीम की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। स्टार मिडफील्डर भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा ट्रंप कार्ड बन सकता है। मनप्रीत गोल बनाने के साथ-साथ अटैक को लीड करते हुए अपने करियर में कई शानदार गोल भी दाग चुके हैं। उनका अनुभव यकीनन भारत के लिए काफी अहम होगा।

जुगराज सिंह: भारत के इस डिफेंडर को टीम के डिफेंस की जान माना जाता है। अपनी मजबूत तकनीक और रिस्कलेस के दम पर वह विपक्षी टीम के लिए भारत के डिफेंस को अभेद बनाने में अहम भूमिका निभाते आए हैं।

ओडिशा टी20 लीग राज्य के युवाओं के सीखने और आगे बढ़ने का बड़ा मंच: संजय बेहरा

विश्व केसरी ■ कटक । ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन (ओसीए) के सचिव संजय बेहरा ने कहा है कि ओडिशा टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रतियोगी मंच है। युवा खिलाड़ी इस मंच के जरिए अनुभवी क्रिकेटरों से सीखते हैं और भविष्य के लिए खुद को तैयार करते हैं।

बेहरा ने कहा, 'ओडिशा टी20 लीग राज्य में क्रिकेट की संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक जरूरी कदम है। यह हमारे युवा खिलाड़ियों को एक प्रतियोगी मंच देगा, जहां वे खुद को परख सकते हैं, अनुभवी क्रिकेटरों से सीख सकते हैं और अपने करियर में अगला कदम उठाने के लिए जरूरी आत्मविश्वास हासिल कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के साथ, लीग राज्य के अलग-अलग तरह की क्रिकेट प्रतिभाओं को साथ लाने में भी मदद करेगी। हम कुछ रोमांचक मुकाबलों और खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा फोकस टीमों को सही सुविधाएं देने और

पूरे टूर्नामेंट में एक पेशेवर माहौल बनाने पर होगा।' बेहरा ने कहा, 'बाराबती स्टेडियम का राज्य के क्रिकेट प्रेमियों के साथ एक मजबूत कनेक्शन रहा है और इस सीजन मंच है। युवा बनाने में फैस का समर्थन बहुत जरूरी होगा। हमें उम्मीद है कि लीग उन्हें जश्न मनाने के कई कारण देगी। हम सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं और एक सफल और मनोरंजक सीजन की उम्मीद करते हैं।'

ओडिशा टी20 लीग 2026 का आयोजन 18 सितंबर से कटक के मशहूर बाराबती स्टेडियम में होगा। लीग के सभी मैच इसी स्टेडियम में होंगे। यहां पूर्व में भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। यह सीजन ओडिशा की समृद्ध क्रिकेट संस्कृति को और मजबूत करेगा। लीग में कटक, भुवनेश्वर, कटुझार, पुरी, राउरकेला और संबलपुर सहित राज्य के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइजी शामिल हैं।

लीग निश्चित रूप से राज्य के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने का एक बड़ा मंच देगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की महिला टीम का ऐलान

विश्व केसरी ■ जोहान्सबर्ग। जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका क्रिकेट ने महिला टीम का ऐलान कर दिया है। युवा तेज गेंदबाज कैटलिन विंगार्ड, नथाबिसेंग निनी और ऑफ-स्पिनर लुयांडा न्जुजा को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

नियमित कप्तान लौरा वोल्वार्ट पांच मैचों की इस सीरीज में टीम की कप्तान संभालेंगी। यह सीरीज 11 से 19 सितंबर तक बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेली जाएगी। कई सीनियर खिलाड़ी ग्लोबल फ्रेंचाइजी लीग और घरेलू प्रतियोगिताओं में व्यस्त हैं, इसलिए चयनकर्ताओं ने बेंच स्ट्रेंथ और अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को आजमाने का फैसला किया है।

15 सदस्यीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो हाल ही में



इंग्लैंड में हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाए थे। इनमें मौजूद घरेलू टी20 'प्लेयर ऑफ द ईयर' फे टुनिकिलफ भी शामिल हैं, जिन्हें एनेके बांश, अयांडा हलुबी, एलिज-मारी मार्क्स, सेशनी नायडू, नौडुमिसो शंगसे और मियाने स्मिट के साथ टीम में जगह मिली है।

टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज सिनालो जाफ्टा और काराबो मेसो के साथ-साथ ऑलराउंडर कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन के रूप में अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। हेड कोच मांडला माशिमबी ने इस ऐतिहासिक दौरे के महत्व पर जोर देते हुए इसे भविष्य के ग्लोबल इवेंट्स के लिए एक

अहम कदम बताया। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे का दौरा कई वजहों से रोमांचक है। सबसे पहली और अहम बात यह है कि हम एक टीम के तौर पर अपने अफ्रीकी पड़ोसी देश के दौरे की तैयारी कर रहे हैं, और इसका हिस्सा बनना बहुत खास है। मैं अपने देश में हमारा स्वागत करने के लिए जिम्बाब्वे का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ।'

युवाओं पर केंद्रित चयन नीति के बारे में बताते हुए माशिमबी ने कहा कि स्थापित सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका बना है। 'इन टी20 इंटरनेशनल मैचों को लेकर उत्साहित होने की एक और वजह है, वह युवा टीम है जिसे हम बुलावायो ले जा रहे हैं।

सिनसिनाटी ओपन: सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

विश्व केसरी ■ सिनसिनाटी। आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है।

सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से, ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा



एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गई। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की।

एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में

सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा

कोस्वुक से होगा। कोस्वुक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्वुक को हराया था।

2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिस्कोवा (44), एलिना स्वितोलीना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।